सेबी ने अपने आदेश में कहा था कि रामकृष्ण ने योगी के साथ विभागीय खुफिया जानकारी साझा की थी जिसमें एनएसई की आर्थिक और कारोबारी योजनाएं प्रतिभूति परिदृश्य और आर्थिक नतीजे शामिल हैंरामकृष्ण अप्रैल 2013 से दिसंबर 2016 के बीच एनएसई की एमडी एवं सीईओ थीं

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंकः 67 दिनांकः 18-02-2022 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

देश में कोरोना मामलों में कमी के साथ ही स्कूल खुलने शुरू हो गए हैं। गुजरात में संस्थानों में पहुंचे बच्चे तो गोवा में 21 फरवरी से शुरुआत

एनएसई की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्णा पर आयकर विभाग के छापे, पद पर रहते हुए की थी बड़ी मनमानी

मुंबई, (ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्णा के खिलाफ गुरुवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है. उनपर आरोप है कि उन्होंने पद रहते हुए भर्तियों के साथ अन्य कार्यों में बड़ी मनमानी की थी. गुरुवार को आयकर विभाग ने चित्रा के मुंबई स्थित आवास पर छापा मारा और कई घंटे तक तलाशी ली. एनएसई की प्रबंध निदेशक (एमडी) सीईओ रहीं चित्रा के खिलाफ सेबी ने भी बड़ी कार्रवाई की थी. बाजार नियामक सेबी ने 11 फरवरी को चित्रा पर जुर्माना लगाने के साथ एनएसई पर भी छह महीने तक नए उत्पाद लांच करने पर रोक लगा दी थी. सेबी की जांच में पता चला है कि दिसंबर 2016 में अपना पद छोड़ने से पहले चित्रा एनएसई की कई सीक्रेट जानकारियां एक अनजान व्यक्ति के साथ ईमेल से साझा करती थीं. यह मेल किसी हिमालय वाले बाबा के नाम की थी. सेबी के अनुसार, वे ऑर्गेनाइजेशन के स्ट्रक्चर, डिविडेंट सिनेरियो, फाइनेंशियल रिजल्ट और एचआर पॉलिसी की सीक्रेट जानकारियां साझा करतीं थी. सेबी ने वरिष्ठ अधिकारी आनंद सुब्रमणियन की नियुक्ति में अनियमितता बरतने पर चित्रा के खिलाफ 3 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था. मामला खुलने पर चित्रा ने कहा कि वे हिमालय में रहने वाले एक योगी की सलाह पर आनंद की नियुक्ति की थी. आनंद 1 अप्रैल 2013 से एनएसई के चीफ स्ट्रेटजिक एडवाइजर थे और बाद में उन्हें ग्रुप ऑपरेटिंग ऑफिसर बना दिया गया.

भारत में सांसदों के कथित आपराधिक रिकॉर्ड पर सिंगापुर के प्रधानमंत्री का बयान अनावश्यक - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत में सांसदों के कथित आपराधिक रिकॉर्ड को लेकर सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सेन का बयान अनावश्यक है। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने इस बयान को लेकर भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त को तलब किया और अपनी आपत्ति दर्ज कराई। सरकार के सूत्रों ने गुरुवार को कहा, 'सिंगापुर के पीएम की टिप्पणी गैरजरूरी थी। हम इस मामले को सिंगापुर के समक्ष उठा रहे हैं।' सूत्रों ने यह भी बताया कि इस मसले पर विदेश मंत्रालय की ओर से सिंगापुर के दूत को समन कर भारत की तीखे ऐतराज से अवगत कराया गया।

ज्ञात रहे कि सिंगापुर के पीएम ने सिंगापुर की संसद में लोकतंत्र पर चर्चा के दौरान कहा था, 'नेहरू का भारत अब ऐसा बन गया है, जहां मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लोकसभा के आधे से अधिक सांसदों के खिलाफ रेप, हत्या जैसे आरोपों सहित आपराधिक मामले लंबित हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि इसमें से कई आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।'

मनमोहन को भारत को सबसे कमजोर बनाने और भीषण महंगाई के लिए याद किया जाता है - वित्तमंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थव्यवस्था को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना पर कहा कि मनमोहन सिंह को भारत को सबसे कमजोर बनाने और देश में भीषण महंगाई के लिए याद किया जाता है। निर्मला ने कहा, ''मैं आपका (मनमोहन) बहुत सम्मान करती हूं। मुझे आपसे यह आशा नहीं थी।'' वित्त मंत्री ने यह भी जानना चाहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, कहीं पंजाब विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए तो ऐसा नहीं कर रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने पूर्व एनएसई प्रमुख चित्रा रामकृष्णा द्वारा देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज को चलाने के लिए 'हिमालय में बसने वाले योगी' की सलाह लेने के बारे में हाल में हुए खुलासों का भी संदर्भ दिया और कहा कि सत्ता में रहते हुए सिंह को लंबे समय तक पता भी नहीं था कि चीजें कैसे चल रही हैं। सीतारमण ने मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आंकड़ों की भी तुलना की।

ज्ञात रहे कि पंजाब चुनाव से पहले देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पंजाब की जनता के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया है जिसमें उन्होंने अर्थव्यस्था, चीन सीमा विवाद मामले में नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार को अर्थव्यवस्था की जरा भी समझ नहीं है। इनकी गलत आर्थिक नीतियों की वजह से देश आर्थिक संकट की गिरफ्त में फंस चुका है, पूरे देश में बेरोजगारी आज अपने चरम पर पहुंच गई है।

एबीजी शिपयार्ड बैंक घोटाले में सीबीआई ने मुख्य आरोपी ऋषि अग्रवाल से पूछताछ की

नई दिल्ली (ईएमएस)। 22,842 करोड़ रुपये के एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड बैंक घोटाले में सीबीआई ने मुख्य आरोपी ऋषि अग्रवाल से पूछताछ की है। सूत्रों के मुताबिक, एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक और कथित बैंक लोन धोखाधड़ी में आरोपी ऋषि अग्रवाल मुंबई में हैं। शनिवार को छापेमारी के बाद सीबीआई ने इस हफ्ते की शुरुआत में उनसे पूछताछ की। बता दें कि ये पूरा मामला 22,842 करोड़ रुपये के कर्ज घोटाले से जुड़ा है।

सूत्रों ने बताया कि शनिवार को छापेमारी के वक्त ऋषि अग्रवाल अपने मुंबई स्थित घर पर थे और उन्होंने तलाशी अभियान के दौरान सहयोग किया। अग्रवाल ने पंचनामा इत्यादि कागजातों पर हस्ताक्षर भी किए। तलाशी के बाद, सीबीआई ने सोमवार को समन जारी किया और पूछताछ की गई।

पॉलिसी के तहत, सीबीआई की बैंक धोखाधड़ी के मामलों में आरोपी की गिरफ्तारी नहीं करती है। वह सिर्फ आरोपी से पूछताछ करती है और उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार करते हैं। आमतौर पर बैंक फ्रॉड केस में गिरफ्तारी का काम ईडी करती है। सीबीआई ने लुकआउट सर्कुलर इसलिए जारी किया है ताकि आरोपी देश छोड़कर भाग नहीं सके।

प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में बुधवार को एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड, उसके पूर्व प्रवर्तकों के साथ अन्य के खिलाफ मनी लांड्रिंग का आपराधिक मामला दर्ज किया है। एक या दो दिन में ऋषि अग्रवाल को समन जारी किया जाएगा।

कार्टून कोना

भैया वाले बयान पर चन्नी ने दी सफाई, मुझे प्रवासी मजदूरों के लिए प्यार है

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गर्म हो चुकी है। इस बीच मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भैया वाले बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मैंने पंजाब में खलल डालने वाले लोगों की बात कही थी न की उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान से पंजाब में आकर कम करने वाले लोगों की बात कही थी। दरअसल, चन्नी के भैया वाले बयान के बाद यूपी और बिहार में घमासान मचा हुआ था। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि जो दुर्गेश पाठक, संजय सिंह, अरविंद केजरीवाल जैसे लोग बाहर से आकर पंजाब में खलल डालते हैं, मैंने उनके बारे में बात की, लेकिन जो लोग उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान से पंजाब में आते हैं और पंजाब में काम करते हैं, पंजाब भी उनका उतना ही है जितना हमारा है। उन्होंने कहा कि मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला जा रहा है। पंजाब में आज तक आए सभी प्रवासी मजदूरों ने मेहनत कर विकास के पथ पर अग्रसर किया है। हमें उनके लिए केवल प्यार है, इस कोई नहीं बदल सकता है।

चन्नी ने रूपनगर में चुनावी रैली के दौरान लोगों से उत्तरप्रदेश, बिहार और दिल्ली के भैया को राज्य में प्रवेश नहीं करने देने की अपील कर विवाद खड़ा कर दिया। उनकी यह टिप्पणी संभवतः आम आदमी पार्टी के नेताओं को ध्यान में रखकर की गई प्रतीत होती है। चन्नी ने कहा था कि प्रियंका पंजाब की बहू हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली के भैया, जो पंजाब में राज करना चाहते हैं, हम उन्हें राज्य में घुसने नहीं देंगे। चन्नी कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भी हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के संदर्भ में भैया शब्द को आम तौर पर आपत्तिजनक माना जाता है।

हिजाब विवाद में तनाव जारी, हिजाब पहने छात्राओं को वापस भेजा गया

बेंगलुरू (ईएमएस)। कर्नाटक के कॉलेजों और उनके आसपास गुरुवार को भी तनाव की स्थिति बनी रही,क्योंकि हिजाब पहने पूर्व विश्वविद्यालय के छात्रों ने कक्षाओं के अंदर जाने की मांग की। हिजाब पहने छात्रों को फिर वापस भेजा गया और कई ने कॉलेज अधिकारियों के फैसले का विरोध किया। बेलगावी में विजय पैरा मेडिकल कॉलेज के पास हिजाब पहने छात्रों के समर्थन में आए छह लोगों को हिरासत में लिया गया। कॉलेज के सामने जमा हुए लोगों ने अल्लाह हू अकबर के नारे लगाकर मांग की हैं, कि हिजाब पहनने वाले छात्रों को कक्षाओं के अंदर जाने दे। पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। राज्य के गृहमंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से उनके आवास पर मुलाकात की और राज्य के हालात पर चर्चा की। इस बीच, प्रदर्शनकारी छात्रों के भगवा रंग के खिलाफ 'अल्लाह हू अकबर' के नारे लगाकर अंतर्राष्ट्रीय समाचार बनाने वाली छात्रा मुस्कान खान मांडया के पीईएस कॉलेज से अनुपस्थित रही।

रामनगर जिले के उपायुक्त राकेश कुमार ने निषेधाज्ञा जारी कर जिले में शारीरिक कक्षाएं रद्द कर दी हैं। प्रथम ग्रेड पीयूसी कॉलेज प्रशासन को 19 फरवरी तक ऑनलाइन कक्षाएं लेने के लिए कहा गया है। विजयपुरा में सरकारी महिला पीयू कॉलेज के 20 से अधिक छात्रों ने हिजाब पहनकर परीक्षा देने से इनकार कर दिया। स्थानीय पुलिस ने कॉलेज के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लगा दी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

हुबली में भी 28 फरवरी तक किसी भी विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। इस बीच, हिजाब विवाद के कारण किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए हुबली आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज में एक दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है।

शिवमोग्गा डीवीएस कॉलेज में उस वक्त तनाव पैदा हो गया जब 20 से अधिक हिजाब पहने छात्रों ने कॉलेज के अंदर घुसने की कोशिश की। पुलिस और कॉलेज प्रशासन ने उन्हें वापस भेज दिया। गुरुवार को होने वाली एएपीयूसी केमिस्ट्री की प्रैक्टिकल परीक्षा उडुपी एमजीएम कॉलेज में स्थगित कर दी गई। बेल्लारी के सरला देवी कॉलेज के छात्रों ने सवाल किया कि हिंदू छात्रों को बिंदी, चूड़ियां पहनकर परिसर के अंदर कैसे जाने दिया जा सकता है और उन्हें भी बाहर भेजा जा सकता है। कॉलेज परिसर में घुसने से रोकने पर छात्रों की पुलिस से बहस हो गई। बेलागवी आरएलएस कॉलेज, कोप्पल कॉलेज, बल्लारी वीरशैव महिला कॉलेज से हिजाब पहने छात्रों को वापस भेज दिया गया।

पंजाबवासियों से बोले पीएम मोदी, एक बार मौका दीजिए, पंजाब में होगा तेज विकास

चंडीगढ़ (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के फाजिल्का में चुनावी सभा को संबोधित कर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में पंजाब में ये मेरी आखिरी सभा है। मैं बीते कुछ दिनों में पंजाब के अलग-अलग क्षेत्रों में गया हूं। पूरे पंजाब में आज एक ही आवाज उठ रही है, भाजपा को जीताना है, एनडीए को जीताना है। पंजाब में डबल इंजन की सरकार बनाना है।

इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने डबल इंजन की सरकार का मतलब बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब का इस दशक में सबसे तेज विकास। पंजाब से रेत माफिया, ड्रग माफिया की विदाई। पंजाब की औद्योगिक इकाइयों में नई ऊर्जा। पंजाब के युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार के नए मौके। उन्होंने भाजपा पूरे समर्पित भाव से पंजाब के लोगों के सामने पंजाब की सुरक्षा और विकास का संकल्प लेकर आई है। एक बार भाजपा को आपकी सेवा करने का मौका दीजिए। फिर देखिएगा कि डबल इंजन की सरकार कैसे पंजाब को तेज गति से आगे बढ़ाती है।

उन्होंने कहा कि आप देख सकते हैं, देश के इतने सारे राज्य हैं जहां कांग्रेस एक बार गई, फिर लौटकर सत्ता में नहीं आई। और जहां भाजपा को आशीर्वाद मिला, वहां तब कांग्रेस जड़-मूल से साफ हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पंजाब के किसानों को नई सोच और विजन वाली सरकार चाहिए। किसान को बेहतर फसल, कम लागत और बेहतर कीमत की जरूरत है। इसके लिए हमारी सरकार बीज से बाजार तक नई व्यवस्था बना रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आज हर व्यापार, माफियाओं के कब्जे में है। व्यापारियों को माफियाओं की कृपा पर जीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसकी सबसे बड़ी तकलीफ हमारे छोटे व्यापारियों को हो रही है।

उन्होंने कहा कि इतनी संभावनाओं से भरा पूरा पंजाब, लेकिन इंडस्ट्रीज़ यहां से छोड़कर जा रही हैं। कांग्रेस की नीतियों के कारण यहां जल्दी कोई आने को तैयार नहीं। इन स्थितियों को भी डबल इंजन की सरकार ही बदल सकती है। उन्होंने कहा कि पंजाब में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर होगा पारदर्शी सरकार होगी तो, न उद्योगों को पलायन करना पड़ेगा और न नौजवानों को अपना गांव, अपने दोस्त, अपने बूढ़े मां बाप, अपने खेत खलिहान छोड़कर पंजाब से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजाब के गरीबों के करीब-करीब 2,000 करोड़ रुपए बचे हैं। सोचिए दिल्ली में मोदी बैठकर गरीबों के लिए काम कर रहा है। पंजाब में 300 से ज्यादा जन औषधी केंद्र चल रहे हैं और वहां पर बाजार में महंगी मिलने वाली दवाई, सस्ती मिलती है। आप सब देख सकते हैं कि हम कैसे मदद कर रहे हैं। किसी के परिवार में बुजुर्ग माता-पिता हैं और उन्हें मधुमेह हो गया तो उन्हें दवाई और इजेंक्शन लेना पड़ता है, इसके बाद उनका 2000-2500 रुपए का महीने में खर्चा होता है लेकिन अगर जन औषधी केंद्र से दवाई ले आएंगे,तब 1500 रुपए तक बचेगा। हम गरीबों के लिए काम करते हैं। इन केंद्रों की वजह से पंजाब के लोगों को 300 करोड़ रुपए का फायदा हो रहा है।

जीएसटी के पांच साल पूरे होने पर टैक्स स्लैब में हो सकता हैं बदलाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद जो कुछ बड़े बदलाव देखने को मिले हैं, जीएसटी कानून उनमें से एक है।कुछ ही महीने बाद जीएसटी व्यवस्था के 5 साल पूरे होने वाले हैं।इसके पहले जीएसटी प्रणाली में अभी तक का सबसे बड़ा बदलाव करने की तैयारी है।इन बदलावों में टैक्स स्लैब में कमी, दरों के ब्रैकेट में बदलाव, राज्यों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति का बंद होना आदि शामिल है।संसद में जीएसटी एक्ट को 29 मार्च 2017 को पारित किया गया था। इसके बाद सरकार ने 01 जुलाई 2017 से इस नई व्यवस्था को लागू किया।इस बदलाव के तहत पहले से मौजूद एक्साइज डयूटी , वैल्यू ऐडेड टैक्स और सर्विस टैक्स जैसे इनडाइरेक्ट टैक्सेज को मिलाकर सिंगल इनडाइरेक्ट टैक्स बनाया गया। इसके पीछे विचार था कि इनडाइरेक्ट टैक्स की व्यवस्था को सरल करे। हालांकि अभी भी डीजल, पेट्रोल, शराब, एटीएफ सहित कई प्रॉडक्ट हैं,जिन्हें अभी तक जीएसटी में शामिल नहीं किया गया है।

दूसरी ओर कई कारोबारी संगठन और टैक्स एक्सपर्ट बार-बार ये बात दोहराते आए हैं कि जीएसटी व्यवस्था अभी भी जटिल है।जीएसटी लागू होने के बाद इसमें अब तक कई बदलाव किए जा चुके हैं। लोगों की सबसे अहम डिमांड ये है कि जीएसटी के तहत टैक्स स्लैब की संख्या कम होनी चाहिए। अभी जीएसटी के तहत 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी के 4 स्लैब हैं।लेकिन अब मोदी सरकार भी इन्हें घटाकर 3 करना चाहती है। अगर स्लैब की संख्या कम हुई,तब दरों में भी बदलाव होगा। चूंकि सरकार का फोकस स्लैब घटाकर रेवेन्यू बढ़ाना है,तब उनमें से ज्यादातर सामानों पर टैक्स बढ़ेगा, जो समाप्त होने वाले स्लैब में हैं।इसके अलावा कहा जा रहा है, कि 5 फीसदी और 12 फीसदी के स्लैब को 1-1 फीसदी बढ़ाया जा सकता है। ऐसा हुआ,जब सबसे छोटा स्लैब 6 फीसदी का होगा और इसमें आने वाले सारे सामान महंगे हो जाएंगे।

नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद राज्यों के लिए क्षतिपूर्ति का प्रावधान किया गया था। राज्यों को रेवेन्यू के मोर्चे पर नुकसान न उठना पड़े, इसलिए उन्हें हर महीने केंद्र सरकार से जीएसटी क्षतिपूर्ति दी जाती है। यह व्यवस्था जीएसटी लागू होने के बाद अगले 5 साल के लिए है।01 जुलाई को जीएसटी लागू हुए 5 साल हो जाएंगे,तब राज्यों को हर महीने मिलने वाली क्षतिपूर्ति भी बंद होगी। इस बदलाव से राज्यों को रेवेन्यू में कमी का सामना करना पड़ सकता है।

खबरों के अनुसार, कर्नाटक के सीएम बासवराज बोम्मई की अगुवाई में मंत्रियों के अधिकार प्राप्त समूह की आगामी बैठक में इन बदलावों से संबंधित सिफारिशों को अंतिम रूप दिया जा सकता है।इसके बाद जब जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक होगी,तब उसमें इन सिफारिशों पर गौर किया जा सकता है। जीएसटी से जुड़ा कोई भी निर्णय करने का अधिकार काउंसिल के पास ही है। काउंसिल की अगली बैठक में कुछ प्रॉडक्ट और सर्विसेज पर टैक्स रेट में बदलाव भी किया जा सकता है। काउंसिल की पिछली बैठक दिसंबर 2021 में हुई थी। उस बैठक में टेक्सटाइल इंडस्ट्री के कुछ उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने का फैसला होल्ड कर लिया गया था। उसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि इस बारे में अभी और चर्चा करने की जरूरत है।अगली बैठक में इसपर निर्णय लिया जा सकता है।जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक फरवरी महीने के अंत में या मार्च महीने की शुरुआत में होगी।

केंद्र सरकार की अदूरदर्शी नीतियों का खमियाजा भुगत रही है जनता : मनमोहन सिंह

-इतिहास को कसूरवार ठहराने से अपने गुनाह कम नहीं हो सकते

नई दिल्ली (ईएमएस)। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने गुरुवार को केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। मनमोहन सिंह ने कहा कि केंद्र की खराब नीतियों के कारण लोग आर्थिकता, बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई का सामना करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि 7.5 साल सरकार चलाने के बाद भी केंद्र अपनी गलती मानने और सुधार करने की बजाए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को जिम्मेदार ठहरा रही है।

देश के 5 राज्यों में हो रहे चुनाव के बीच पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी की अबोहर रैली से ठीक पहले एक वीडियो संदेश जारी कर केंद्र की मोदी सरकार पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा, भारत एक अहम मोड़ पर खड़ा है। मेरा बहुत मन था की मैं पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, उत्तर प्रदेश और मणिपुर के भाई बहनों के पास जाकर देश के हालातों पर चर्चा करूं। पर वर्तमान हालात में डॉक्टरों की राय मानते हुए मैं आपसे इस वीडियो सन्देश के जरिये बात कर रहा हूं। मनमोहन सिंह ने कहा, आज की स्थिति बहुत चिंताजनक है। कोरोना की मार के बीच केंद्र सरकार की अदूरदर्शी नीतियों की वजह से एक तरफ लोग गिरती अर्थव्यवस्था, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, दूसरी तरफ हमारे आज के हुक्मरान साढ़े सात साल सरकार चलाने के बाद भी अपनी गलतियों को मानकर उनमें सुधार करने के बजाय लोगों की परेशानियों के लिए हमारे पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराने में लगे हैं।

उन्होंने कहा, मेरा स्पष्ट मानना है की प्रधानमंत्री पद की खास गरिमा होती है और इतिहास को कसूरवार ठहराने से अपने गुनाह कम नहीं हो सकते। प्रधानमंत्री के रूप में मैंने दस साल तक काम करते हुए खुद ज्यादा बोलने की बजाय मेरे काम के बोलने को प्राथमिकता दी। हमने कभी अपने राजनीतिक फायदे के लिए देश को नहीं बांटा, कभी सच पर पर्दा डालने की कोशिश नहीं की, कभी देश और पद की गरिमा कम नहीं होने दी। हमने हर मुश्किल के बावजूद भारत और भारतीयों का मान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा बढ़ाया। पूर्व पीएम ने कहा, मुझे संतुष्टि है की मुझ पर 'मौनमोहन', कमजोर और भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाने भाजपा और उसकी बी-सी टीमों के दुष्प्रचार की कलई आज देश के सामने खुल चुकी है और देश 2004 से 2014 के दौरान किये गए आज हमारे अच्छे कामों को याद कर रहा है।

कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री की सुरक्षा के नाम पर पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार चरणजीत सिंह चन्नी और यहां के लोगों को भाजपा द्वारा बदनाम करने का प्रयास किया गया, जिसे किसी भी लिहाज से एक सही परिपाटी नहीं माना जा सकता है। इसी प्रकार हमने यह भी देखा की किसान आंदोलन के दौरान भी पंजाब और पंजाबियत को बदनाम करने की कोशिश की गई थी। जिन पंजाबियों के साहस-शौर्य, देशभक्ति और त्याग को पूरी दुनिया सलाम करती है, उन पंजाबियों के बारे में क्या कुछ नहीं कहा गया। पंजाब की बहादुर मिट्टी से उपजे एक सच्चे भारतीय के रूप में मुझे उस पूरे घटनाक्रम से पीड़ा हुई है। मौजूदा केंद्र सरकार को अर्थव्यवस्था की जरा भी समझ नहीं है। इनकी गलत आर्थिक नीतियों की वजह से देश आर्थिक संकट की गिरफ्त में फंस चुका है, पूरे देश में बेरोजगारी आज अपने चरम पर पहुँच गई है। किसान, कारोबारी, छात्र, महिलाएं सब परेशान हैं, देश के अन्नदाता दाने-दाने के लिए मोहताज हो रहे हैं, देश में सामाजिक असमानता बढ़ रही है, लोगों पर कर्ज लगातार बढ़ रहा है, वहीं कमाई घट रही है, जिससे अमीर और अमीर हो रहे हैं, गरीब और गरीब। पर यह सरकार आंकड़ों की बाजीगरी करके सब कुछ ठीक होना बता रही है।

भाजपा का आरोप, आप पंजाब में हिंदुओं और सिखों के बीच दरार पैदा कर रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाया कि वह पंजाब में सत्ता हासिल करने के लिए राज्य में हिंदुओं और सिखों के बीच दरार पैदा कर रही है। भाजपा ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल नीत सरकार में सिखों के प्रतिनिधित्व का अभाव होने का भी आरोप लगाया। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा और दिल्ली भाजपा प्रमुख आदेश गुप्ता ने आरोप लगाया कि आप का एजेंडा पंजाब को लूटना है। उन्होंने आप की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की, जो हर तरह के वादे कर सत्ता हड़पना चाहती थी।

उन्होंने केजरीवाल और आप के अन्य नेताओं पर पंजाब विधानसभा चुनाव के अपने प्रचार अभियान में झूठे वादे करने का आरोप लगाया और कि क्षेत्रीय दल (आप) द्वारा 'दिल्ली मॉडल' को रेखांकित करना एक ढकोसला है। सिरसा ने कहा, दिल्ली मॉडल में कोई सिख मंत्री नहीं है,पंजाबी भाषा की जानबूझ कर अनदेखी की गई है, 850 से अधिक शराब के नए ठेके खोले गए हैं, कोई नया स्कूल या कॉलेज नहीं खोला गया है और स्वास्थ्य ढांचा चरमरा रहा है। पंजाब में हिंदुओं के आंतरिक सुरक्षा को लेकर सशंकित महसूस करने संबंधी आप की कथित टिप्पणी का जिक्र करते हुए सिरसा ने राज्य में कथित तौर पर साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने को लेकर केजरीवाल नीत पार्टी की आलोचना की। सिरसा ने आरोप लगाया, उसमें (आप में) ठग भरे हुए हैं। केजरीवाल बहरूपिया हैं।भाजपा नेता ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की 'यूपी, बिहार, दिल्ली वाले भैया' टिप्पणी को लेकर कांग्रेस की भी आलोचना की।

बड़े मियां पीएम मोदी छोटे मियां केजरीवाल दोनों का जन्म आरएसएस से हुआ : प्रियंका गांधी

पठानकोट (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आम आदमी पार्टी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नौकरी और कोरोना सहित कई मुद्दों पर घेरा। उन्होंने कहा कि वे एक भी पूरी सरकार नहीं चला सके हैं। प्रियंका ने पंजाब के पठानकोट में रैली के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की भी तारीफ कर कहा कि चन्नी ने बड़े फैसले लिए हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, मेरी शादी एक पंजाबी परिवार में हुई हैं, मैं जानती हूं पंजाबीयत क्या है।उन्होंने कहा, मेरी बड़ी सासू मां ससुर जी को कंधे पर टाप-टाप कर सियालकोट से लाईं, ये है पंजाबीयत। मेरे ससुर जी जो सब कुछ छोड़कर बंटवारे के समय यूपी के मुरादाबाद में अपना व्यापार शुरू किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि पंजाबीयत सेवा है जो किसी के सामने नहीं झुकते, सिर्फ मालिक के सामने झूकते हैं।इस मौके पर उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार चलाने की क्षमता पर भी सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि कहते है कि नई सरकार चलाएंगे, अरे पहले एक सरकार तो ढंग से चलाइए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पुलिस तक इनके हाथ में नहीं है, वहां तक एक पूरी सरकार चलाई नहीं। कांग्रेस नेता आप पर तंज कसा कि वे दिल्ली में एक भी फाइल पास नहीं करा पाते।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधकर कहा, बड़े मियां तब बड़े मियां (पीएम मोदी) छोटे मियां (केजरीवाल) सुभान अल्लाह, दोनों का जन्म आरएसए से हुआ। कांग्रेस महासचिव ने कहा, एक का गुजरात मॉडल पूरी तरह फेल और एक कहते है दिल्ली मॉडल बनाएंगे। उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में केवल 440 नौकरियां दी हैं। वहीं, उन्होंने कोरोना के दौरान हुईं मौतों पर भी दिल्ली सरकार पर सवाल उठाया। सीएम चन्नी को लेकर उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के असली सरदार हैं, नकली सरदार नहीं जो मंच पर सिर्फ पगड़ी पहन कर खड़े हो जाते है, 111 दिन में हिम्मतवाले निर्णय लिए सीएम चन्नी ने किए है। खास बात है कि कांग्रेस ने चन्नी को ही राज्य में मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया है। पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को एक ही चरण में मतदान होगा और 10 मार्च को वोटों की गिनती की जाएगी।

मुलायम सिंह यादव किसान-नौजवान और व्यापारियों की उम्मीदों को पूरा करेगी सपा

नई दिल्ली (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने लम्बे अर्से बाद गुरुवार को जनसभा को सम्बोधित किया। वह मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट पर अपने बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के लिए लोगों से वोट की अपील करने पहुंचे थे। इस मौके पर मुलायम सिंह सपा की जीत के लिए ट्रिपल लेयर फार्मूला दिया। उन्होंने कहा कि किसान, व्यापारी और नौजवान ही मिलकर देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाएंगे। मुलायम ने कहा कि सपा की नीति किसानों को प्राथमिकता देने की है। हमारा कहना है कि खाद बीज और सिंचाई का साधन उपलब्ध कराया जाए। पैदावार बढ़ेगी तो किसान की हालत सुधरेगी। हमारे नौजवान इतने पढ़े लिखे हैं लेकिन आज बेरोजगारी है। उनकी नौकरी का इंतजाम होना चाहिए। मैं विश्वास दिलाता हूं सपा कि सरकार बनेगी तो नौजवानों की नौकरी का इंतजाम होगा। व्यापार नहीं है तो परिवार कैसे चलेगा। व्यापारियों को सुविधा दी जाए ताकि वह किसानों की पैदावार खरीदें और उन्हें लाभ पहुंचाएं। व्यापारियों को सुविधा दी जाएगी तो किसान भी संपन्न होगा। किसान नौजवान और व्यापारी ये तीन मिलकर ही देश को मजबूत बनाएंगे। इसी से देश मजबूत होगा। सभा में जुटी भीड़ को देख गदगद मुलायम सिंह ने कहा कि आज यहां लाखों लोग बड़ी उम्मीद से आए हैं। वे सोचते होंगे कि मुलायम सिंह क्या कहेंगे। हम कहना चाहते हैं कि आपको निराश नहीं करेंगे। इतनी भीड़ आई है कि मेरी जिम्मेदारी बढ़ गई है। आपकी उम्मीदों को सपा ही पूरा करेगी। सपा संरक्षक ने कहा कि किसान और नौजवान हमारे साथ हैं। मैंने उम्मीद नहीं की थी कि इतनी भीड़ होगी। इससे साबित हो रही है कि जनता क्या चाहती है। सभा में मौजूद नौजवानों को खासतौर पर सम्बोधित करते हुए मुलायम सिंह यादव ने कहा कि इन नौजवानों को नौकरी दें। नौकरी नहीं तो रोजगार करने के लिए मदद की जाए। नौजवान आगे बढ़ेगा। मुलायम सिंह ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि आज की सभा में नौजवानों की तादाद ज्यादा है। नौजवान खड़ा होगा तो पार्टी मजबूत होगी। देश के सामने आज चुनौती है। आज अमेरिका क्या कर रहा है। दूसरे देश क्या कर रहे हैं। आज दूसरे देशों की निगाहें समाजवादी पार्टी और भारत देश की ओर हैं। आज सबसे ज्यादा तादात समाजवादी के लोगों की है। यह मेरी अपील है सभी साथियों से कि हम सभी की उम्मीदों को पूरा करेंगे। आपकी उम्मीदों को समाजवादी पार्टी पूरी करेगी।

मोदी सरकार देश के 13 के एयरपोर्ट के नाम बदलने की तैयारी में

औरंगाबाद (ईएमएस)। मोदी सरकार देश के 13 के एयरपोर्ट के नाम बदलने की तैयारी कर रही है। औरंगाबाद एयरपोर्ट का नाम बदलकर मराठा राजा छत्रपति संभाजी के नाम पर किया जायेगा।

केंद्रीय मंत्री भगवत कराड ने गुरुवार को कहा कि औरंगाबाद एयरपोर्ट समेत देश के 13 हवाईअड्डों का नाम बदलने के लिए एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। मोदी कैबिनेट उस पर फैसला लेगी। महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भगवत कराड ने कहा कि एयरपोर्ट का नाम बदलकर मराठा राजा छत्रपति संभाजी के नाम पर रखने का प्रस्ताव केंद्र को पहले ही भेजा गया था।कराड ने कहा कि यह एक नियमित प्रक्रियाहै। भारत में कम से कम 13 हवाईअड्डों का नाम बदला जाना है और कैबिनेट इन एयरपोर्ट के नए नामों के बारे में फैसला लेगी। औरंगाबाद में एक संस्थान का डिजिटल मंच से उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा था कि दिल्ली जाने वाले जनप्रतिनिधियों को हवाई अड्डे का नाम बदलने के मामले को देखना चाहिए और इसे बदलवाना चाहिए।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक जैसे बीजेपीशासित राज्यों की तर्ज पर असम में भी कई जगहों के नाम बदलने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक दिन पहले ही ये कहा था। असम में नागरिकों से सुझाव लेने के लिए शीघ्र ही एक पोर्टल शुरू किया जाएगा। इसमें असम के उन स्थानों के नाम बदलने के सुझाव मांगे जाएंगे जो कि प्रदेश की संस्कृति और सभ्यता को नहीं दर्शाते हैं। इससे पहले मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कई अन्य बीजेपी शासन वाले राज्यों में कई बड़े स्टेशनों और शहरों के नाम बदले गए हैं।

जन हितैषी

यूक्रेन संकट टला!

यूक्रेन-रूस के बीच चल रहे संघर्ष के बीच फिलहाल राहत भरी खबर है। कहा जा रहा है कि रूस ने क्रीमिया में अपने सैन्य अभ्यास की समाप्ति की घोषणा कर दी है। इसके बाद सैनिक भी वहां से वापस लौट रहे हैं। इसे यूक्रेन के लिए राहत के संकेत समझे जा रहे हैं। दरअसल, एक दिन पहले मंगलवार को पुतिन ने युद्ध की संभावना से इंकार कर दिया था। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि वह युद्ध नहीं चाहते हैं और ऐसे में बातचीत का प्रस्ताव पेश किया है लेकिन अब तक रूस के प्रस्ताव पर कोई ठोस जवाब नहीं मिला है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है रूस ने भले ही कुछ सैनिक वापस लिए हो लेकर मॉस्को अब भी कीव पर हमला कर सकता है। हालांकि व्लादिमीर पुतिन ने लगातार यूक्रेन पर हमला करने से इनकार किया है। अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस यूक्रेन पर कभी भी हमला कर सकता है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी देशों और रूस के राजनयिकों ने कई बार यूक्रेन को लेकर मुलाकात की है लेकिन किसी भी समझौते पर नहीं पहुंचा जा सका है। इसलिए पुतिन की बातों पर आंख बंद कर भरोसा नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि यूक्रेन को घेरने के लिए रूस ने जबरदस्त व्यूह रचना की थी। इसमें क्रीमिय भी शामिल था। मेक्सार टेक्नोलॉजी ने 48 घंटे पहले की सैटेलाइट तस्वीरें साझा की थीं। इनमें बेलारूस, क्रीमिया व पश्चिमी रूस में सेना की व्यूह रचना साफ नजर आ रही थी। तस्वीरों में सैनिकों की कई और बटालियनों, हेलीकॉप्टरों व बमवर्षक विमानों को साफ देखा जा सकता था। इन्हें अग्रिम मोर्चों पर तैनात किया गया था। जिन इलाकों में रूस ने अपनी सैन्य तैनाती बढ़ाई थी, वे ज्यादातर यूक्रेन के उत्तर और उत्तर-पूर्व में स्थित हैं। इसमें यूक्रेन के दक्षिण पूर्व और क्रीमिया में एक बड़ा एयरबेस भी शामिल था। इस पर 2014 में रूस ने कब्जा कर लिया था। हालात की गंभीरता इसी से पता चलती है कि अमेरिका ने भी यूक्रेन का साथ देने के लिए अपने सैनिक भेज दिए थे। यूक्रेन संकट को लेकर पिछले कुछ दिनों में रूस और अमेरिका के बीच जैसी धमकियों और चेतावनी भरी बयानबाजी सुनने-देखने को मिलीं, वह गंभीर खतरे की ओर इशारा कर रही हैं। अब से पहले ऐसा नहीं देखा गया था जब यूक्रेन को लेकर रूस ने इस तरह के आक्रामक तेवर दिखाए हों और नाटो व अमेरिका भी मैदान में आ गया हो। पर अब यह क्षेत्र दुनिया के लिए नए खतरे का अखाड़ा बन गया। दरअसल, यूक्रेन नहीं चाहता कि हजारों मील दूर स्थित अमेरिका इस विवाद में कूदे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदयमयर जेलेंस्की तो इस मुद्दे पर अमेरिका को आड़े हाथों ले भी चुके हैं। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका रूस के हमले का डर दिखा कर यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है। इससे यह तो स्पष्ट है कि यूक्रेन अमेरिका की मदद या सहानुभूति नहीं चाहता। वह समझ रहा है कि मदद की आड़ में अमेरिका यहां भी उसी तरह पैर जमा लेगा जैसे अफगानिस्तान और दुनिया में दूसरी जगह करता आया है। हालांकि रूस भी यूक्रेन पर हमला नहीं करने की बात कह रहा है। जहां तक सवाल है यूक्रेन के नाटो में शामिल होने का, तो इसका फैसला करने का अधिकार यूक्रेन को ही है। रूस उसे नाटो में जाने नहीं देना चाहता और अमेरिका व नाटो देश उसे यूरोपीय संघ में शामिल करना चाहते हैं। सबके अपने हित हैं। पर यह नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे हितों की कीमत सिर्फ निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ती है। लड़ाई में बेगुनाह मारे जाते हैं और लाखों शरणार्थी बन जाते हैं। इसलिए बेहतर है कि महाशक्तियां अपने हित के लिए युद्ध से बाज आएं।

हिजाब: सिर्फ औरतें चेहरा क्यों छिपाएँ?

कर्नाटक के उच्च न्यायालय में हिजाब के मुद्दे पर अभी बहस जारी है लेकिन अंतरराष्ट्रीय इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) ने भारत के खिलाफ अपना बयान जारी कर दिया है। उसने पहले धारा 370 हटाने के विरोध में भी बयान जारी किया था। पाकिस्तान के मुल्ला-मौलवी और नेता भी एकतरफा बयान जारी करने में एक-दूसरे से आगे निकल रहे हैं। कर्नाटक की अदालत में हिजाब का पक्ष रखनेवाले वकील हिंदू हैं और वे जो तर्क दे रहे हैं, वे ऐसे हैं, जिन पर खुले दिमाग से विचार किया जाना चाहिए। उनका तर्क यह है कि जब हिंदू औरत के सिंदूर, बिंदी और चूड़ियों, सिखों की दाढ़ी-मूंछ और पगड़ी तथा ईसाइयों के क्रॉस पहनने पर कोई प्रतिबंध नहीं है तो मुस्लिम महिलाओं के बुर्के और हिजाब पर प्रतिबंध की क्या तुक है? क्या ऐसा करना पूर्णतः सांप्रदायिक कदम नहीं है? क्या यह इस्लाम और मुसलमानों पर सीधा आक्रमण नहीं है? हिजाब के बहाने यह मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने का कुप्रयास नहीं है? ये तर्क बहुत वाजिब दिखाई पड़ते हैं लेकिन अभी कर्नाटक में हिजाब के सवाल ने जैसा सांप्रदायिक और राजनीतिक रुप धारण कर लिया है, यदि हम उससे ज़रा अलग हटकर सोचें तो यह मूलतः नर-नारी समता का सवाल है! यदि हिजाब धार्मिक चिन्ह है तो इसे औरतों के साथ-साथ मर्द भी क्यों नहीं पहनते? आजकल औरत और मर्द- सभी मुखपट्टी (मास्क) पहनते हैं, वैसे ही वे हिजाब भी पहन सकते हैं। सिर्फ औरतें ही क्यों हिजाब पहनें? उनका गुनाह क्या है? और फिर मुस्लिम औरतों को ही यह सजा क्यों है ? हिंदू और ईसाई औरतें भी इसे क्यों नहीं पहनें? हिजाब, बुर्का, घूंघट, सिंदूर, बिंदी, चूड़ी, भगवान दुपट्टा आदि इनमें से किसी भी चीज को पहनने का आदेश किसी ईश्वर, अल्लाह या अहुरमज्द का नहीं है। ये सब परंपराएं मुनष्यों की बनाई हुई हैं और ये देश-काल के मुताबिक चलती हैं। हिजाब और बुर्के का औचित्य डेढ़ हजार साल पुराने अरब देश में बिल्कुल ठीक था लेकिन आज की दुनिया में इसका कोई महत्व नहीं रह गया है। यदि हिजाब और बुर्का इस्लाम का अनिवार्य अंग है तो क्या बेनज़ीर भुट्टो, मरियम नवाज शरीफ, शेख हसीना, काबुल की शहजादियां मुसलमान नहीं हैं? मैंने तो उन्हें कभी भी अपना चेहरा छिपाते हुए नहीं देखा! शरीर के गुप्तांग औरत और मर्द सभी ढकें, यह तो जरुरी है लेकिन चेहरे को छिपाए रखने की पीछे तर्क क्या है? चेहरा तो आपकी पहचान है। चेहरा तो वो ही छिपाता फिरता है, जो चोर, डाकू, तस्कर या अपराधी हो। किसी तिलक, बिंदी, चोटी, जनेऊ, दाढ़ी-मूंछ, पगड़ी, दुपट्टा, तुर्की टोपी, शेरवानी, सलवार-कमीज, गतरा (अरब), चोंगा (ईसाई), किप्पा (यहूदी टोपी) आप पहनना चाहें तो जरुर पहनें। आप अपनी मजहबी या सांप्रदायिक या जातीय पहचान का दिखावा करना चाहते हैं तो जरुर करें। लेकिन कोई भी औरत या मर्द अपना मुंह क्यों छिपाए? मुखपट्टी तो जैन मुनि भी लगाते हैं लेकिन उसका उद्देश्य अपना मुंह या पहचान छिपाना नहीं है बल्कि उनकी गर्म सांस से कोई जीव-हिंसा न हो जाए, उनका यह उद्देश्य रहता है। औरतों पर हिजाब, नकाब और बुर्का लादना तो उनकी हैसियत को नीचे गिराना है। मुस्लिम कन्याओ को छात्र-काल से ही हीनता-ग्रंथि से ग्रस्त कर देना कहां तक ठीक है? मुस्लिम कन्याओं का मनोबल भी उतना ही ऊंचा रहना चाहिए, जितना देश की अन्य लड़कियों का रहता है। क्या वे भी भारत माता की प्रिय बेटियां नहीं हैं? (लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ ईएमएस)

दैनिक पंचांग

18 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.14 बजे से
चंद्र	सिंह में	मीन	07.50 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	09.21 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.01 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	12.59 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	15.12 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	17.29 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	19.40 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	21.51 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		वृश्चिक	00.06 ब.से
		धनु	02.22 बजे से
		मकर	04.27 बजे से

शुक्रवार 2022 वर्ष का 49 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 22.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 16.42 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 18.30 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 10.38 बजे तदनन्तर गर 22.30 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 43' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871163 **जूलियन दिन** 2459628.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रज्जब **तारीख** 16 **विशेष** अट्टुकल पोंगल, स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मतदान ने दिए सत्ता परिवर्तन के संकेत!

उत्तराखंड में 14 फरवरी को हुए मतदान पर गौर करे तो सबसे ज्यादा हरिद्वार जिले में 68.37 फीसदी और अल्मोड़ा जिले में सबसे कम 50.65 फीसदी हुआ। वहीं बागेश्वर में 57.83 फीसदी, चमोली में 59.28 फीसदी, चंपावत में 56.97 फीसदी, देहरादून में 52.93 फीसदी, नैनीताल में 63.12 फीसदी, पौड़ी गढ़वाल में 51.93 फीसदी, पिथौरागढ़ में 57.49 फीसदी, रुद्रप्रयाग में 60.36 फीसदी, टिहरी गढ़वाल में 52.66 फीसदी, उधम सिंह नगर में 65.13 फीसदी और उत्तरकाशी जिले में 65.55 फीसदी मतदान दर्ज किया है। उत्तराखंड की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में हुए मतदान में कुल 82,66,644 मतदाताओ ने 632 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया।जबकि गोवा में, 11,56,464 मतदाताओं ने राज्य की 40 सीटों के लिए 301 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया।उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कुल 61.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, उत्तरी गोवा में 79.45 फीसदी जबकि दक्षिण गोवा में 76.92 फीसदी मतदान हुआ है। उत्तर प्रदेश में, जहां नौ जिलों की 55 सीटों पर मतदान हुआ, सबसे अधिक मतदान सहारनपुर में 67.52 प्रतिशत और सबसे कम शाहजहांपुर में 55.20 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। यूपी के अमरोहा जिले में 66.15 फीसदी, बरेली में 58.82 फीसदी, बिजनौर में 62.11 फीसदी, बदायूं में 56.83 फीसदी, मुरादाबाद में 64.56 फीसदी, रामपुर में 62.31 फीसदी और संभल में 56.88 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है।उत्तर प्रदेश में, नौ जिलों के 55 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 2.02 करोड़ मतदाताओ ने 586 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया।इन जिलों में सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, अमरोहा, बदायूं, बरेली और शाहजहांपुर शामिल हैं।वही उत्तर प्रदेश में 58 सीटो के लिए 10 फ़रवरी को ही मतदान हो चुका है। मतदान के दिन उत्तराखंड में चुनाव आचार संहिता के 203 मुकदमें दर्ज किए गए । मुख्य निर्वाचन अधिकारी सौजन्या ने बताया कि इसमें मतदाताओं को प्रलोभन देने, अवैध रूप से चुनाव सामग्री का इस्तेमाल करने, वाहनों का अवैध रूप से चुनावी कार्यों के इस्तेमाल, कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन के मुकदमें शामिल हैं। सौजन्या ने बताया कि मतदान से ठीक पहले प्राप्त सभी शिकायतों को आरओ को भेजा गया, जिसमें प्रारंभिक जांच और तथ्यों के आधार पर मुकदमें दर्ज किए गए हैं।

सड़क निर्माण न होने से नाराज केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के दो गांवों- जग्गी बगवान और चिलौंड के मतदाताओं ने उत्तराखंड में हुए मतदान का पूरी तरह बहिष्कार किया। चिलौंड गांव में 225 जबकि जग्गी बगवान गांव में 376 मतदाता हैं।टिहरी जिले में कई पोलिंग बूथों पर ईवीएम मशीन कम रोशनी में रखे जाने से बुजुर्गों को चुनाव चिन्ह देखने व मतदान करने में परेशानी हुई।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा ने शराब और नोट बांटने की कोशिश की थी, जिसकी उन्होंने चुनाव आयोग से शिकायत की है। हरीश रावत के मुताबिक उन्हें पता चला कि दिल्ली से 100 करोड़ रुपए उत्तराखंड आए थे।नरेंद्रनगर में वोट डालने जा रहे एक व्यक्ति की हार्ट अटैक पड़ने से मौत हो गई। कुमाली गांव निवासी 67 वर्षीय वीर सिंह तोपवाल मतदान करने के लिए चौंपा मतदान केंद्र पर जा रहा थे। वीर सिंह चौंपा मतदान केंद्र की सीढ़ी पर ही पहुंचे थे, कि उनके सीने में दर्द उठने लगा। साथ चल रहे परिजनों ने उन्हें कुछ देर वहीं सीढ़ी पर बैठाकर रखा, लेकिन उनका दर्द बढ़ता गया। सूचना पर 108 सेवा मौके पर पहुंची और उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खाड़ी ले जाया गया। जहां से डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर श्रीदेव सुमन संयुक्त चिकित्सालय रेफर किया, लेकिन श्रीदेव सुमन चिकित्सालय पहुंचने पर डा. शिवानी रमोला ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थौलधार ब्लाक के ग्राम भैंसकोटी की 102 वर्षीय बुजुर्ग महिला प्रेमावती सकलानी कंडी में बैठकर मतदान करने पहुंची। पैदल चलने में असमर्थ महिला को ग्रामीणों ने कंडी पर बिठाकर गांव से दो किमी दूर मतदान स्थल मैसारी तक पहुंचाया। बजुर्ग महिला के पुत्र परिपूर्णानंद सकलानी ने बताया कि उनके पास बैलेट मतपत्र की सुविधा भी थी, लेकिन उन्होंने मतदेय स्थल पर जाकर ही मतदान करने का निर्णय लिया। वही मंगलौर के नगरपालिका बूथ पर जहूर नामक वोटर वोट डालने पहुंचा तो पता चला मतदाता सूची में उसे मृत दर्शाया हुआ है।वह देर तक वोट डालने व स्वयं के जीवित रहने की जिद करता रहा,लेकिन उसकी मतदान कर्मियों ने एक नही सुनी।जिस कारण उसे बिना वोट दिए वापस लौटना पड़ा।लेकिन जिस उत्साह और साफ मौसम में मतदान हुआ है उसे देखकर लगता है उत्तराखंड में सत्ता परिवर्तन होगा। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट / ईएमएस)

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

धर्म अध्यात्म 18 फरवरी जन्म दिवस पर विशेष -

स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारत के एक ऐसे महान संत एवं विचारक थे जिन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया था। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की। अपनी साधना से रामकृष्ण इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुंचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं।

श्री रामकृष्ण परमहंस अपने समय के महान साधक व मानवता के पुजारी थे। इनका जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही प्रसिद्ध ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता क्षुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था।

पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी-देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की यह परम्परा प्रथा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस शुद्र स्त्री से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है।

रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के पुण्यपीठ के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में यथोपचार आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्व मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी से दीक्षा ग्रहण की। भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से वो लगातार साधना करते रहे तथा मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। वे रामकृष्ण के पास आये तथा उन्हे दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था।

तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। वे समस्या जान गये कुछ दिनों बाद उन्होने रामकृष्ण को अपने पास बिठाकर साधना करायी। तोतापुरी को अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी।

रामकृष्ण परमहंस का जीवन और व्यक्तित्व रहस्यमयी रहा। उनकी जीवन-शैली और उनका व्यवहार अच्छे-अच्छों की भी समझ से बाहर का था। इतना अजीब था कि ज्यादातर लोग उन्हें पागल तक समझते थे। कुछ ने तो उनके दिमाग का इलाज कराने तक की कोशिश की। लेकिन ढाका के एक मानसिक चिकित्सक ने उनकी युवावस्था में ही एक बार कहा था कि असल में यह आदमी एक महान योगी और तपस्वी है। जिसे दुनिया अभी समझ नहीं पा रही है। और किसी चिकित्सकीय ज्ञान से उसका इलाज नहीं किया जा सकता है।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्छलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते, तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 16 अगस्त, 1886 सोमवार ब्रह्ममुहूर्त में अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते। रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एकरूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजा, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है।

रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। रामकृष्ण ने इस्लाम, बोद्ध, ईसाई, सिख धर्मो की बकायदा विधिवतरुप से शिक्षा ग्रहण कर साधनायें की थी। ब्रह्म समाज के सर्वश्रेष्ठ नेता केशवचंद्र सेन, पंडित ईश्वरचंद विद्यासागर, वंकिमचंद्र चटर्जी, माइकेल मधुसूदन दत्त, कृष्णदास पाल, अश्विनी कुमार दत्त से रामकृष्ण घनिष्ठ रुप से परिचित थे। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

आज का इतिहास 18 फरवरी

- 1695 फ्रांसीसी खोजी ला सेले ने टेक्सास में बस्ती बसाई.
- 1884 चार्ल्स गोर्डन के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजें सुडान पहुंची.
- 1836 रामकृष्ण परमहंस देव उर्फ गदाधर चटर्जी का जन्म हुआ.
- 1900 दक्षिण अफ्रीकी युद्ध में पाई क्रोन्स ने ब्रिटिश फौजों के सामने हथियार डाल दिए.
- 1905 शामजी कृष्णवर्मा ने इंडिया होमरूल सोसायटी की स्थापना लंदन में की.
- 1911 विमान से पहली बार डाक पहुंचने का काम भारत में हुआ.
- 1915 प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी ने इंग्लैंड की नाकेबंदी की.
- 1945 द्वितीय विश्व युद्ध में इवी जिमा के लिए लड़ाई शुरु हुई.
- 1946 शाही नौ सेना मुंबई में विद्रोह हुआ.
- 1965 गांबिया स्वतंत्र हुआ.
- 1970 फिलीपींस में युवकों ने अमरीकी सैन्य अड्डों के विरोध में अमरीकी दूतावास पर धावा बोल दिया.
- 1971 भारत और ब्रिटेन के बीच उपग्रह संपर्क कायम हुआ.
- 1988 बोरिस येल्तसिन सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो से हटा दिए गए.
- 1989 अफगान सरकार ने आपातस्थिति की घोषणा की.
- 1991 आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने विक्टोरिया स्टेशन पर हुए विस्फोट की जिम्मेदारी ली जिसमें अनेक लोग हताहत हुए.
- 1998 सी. सुब्रह्मणयम भारत रत्न से सम्मानित.
- 1999 भारत-बांग्लादेश के बीच बस सेवा पर समझौता हुआ
- 2006 महाराष्ट्र के पोल्ट्री फॉर्म में भारत का पहला बर्ड फ्लू का केस दर्ज हुआ.
- 2006 भारत व पाक के बीच थार एक्सप्रेस आरंभ.

सूरज के करीब सितारे का चक्कर लगा रहा एक संभावित ग्रह

वॉशिंगटन (ईएमएस)। खगोलविदों ने सूरज के करीब के एक सितारे का चक्कर लगा रहा एक संभावित ग्रह खोजने का दावा किया है।खगोलविदों को इसके पुख्ता साक्ष्य मिले है। संभवतः यह अपनी तरह का तीसरा ग्रह है जो धरती से मात्र 4 प्रकाशवर्ष की दूरी पर मौजूद है। खगोलविदों के अनुसार, एक और ग्रह के हमारे सूरज के सबसे नजदीकी नक्षत्र मंडल प्रोक्सिमा सेंचुरी के चक्कर लगाने के साक्ष्य मिले हैं।

यह पिंड धरती की तुलना में एक चौथाई ही है। यह चट्टान अब तक मिले एक्सोप्लैनेट में सबसे हल्का है। यह छोटा और धुंधला लाल दिखने वाला बौना सितारा हमारे सूरज से काफी छोटा है। यहां पर एक धरती के आकार के ग्रह की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। यही पर दूसरे संभावित ग्रह की भी खोज हुई है। माना जा रहा है कि इन ग्रहों में जीवन के लायक वातावरण हो सकता है।जिस ताजा ग्रह की खोज हुई है, उसका नाम प्रोक्सिमा डी है। यह अपने सितारे का एक चक्कर लगाने में धरती के 5 दिन का समय लेता है। यह संभावित ग्रह अपने सितारे से 40 लाख किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हमारे सोलर सिस्टम में बुध ग्रह सूरज के सबसे नजदीक है और उसे अपना एक चक्कर लगाने में 88 दिन का समय लगता है।

इस सोलर सिस्टम में जिस पहले ग्रह की खोज हुई थी, उसका नाम प्रोक्सिमा बी था। साल 2020 में प्रोक्सिमा बी के मिलने की पुष्टि हुई थी। यह धरती के आकार का है और मात्र 11 दिन में ही अपने सितारे की परिक्रमा पूरी कर लेता है। प्रोक्सिमा डी अपने सितारे के बेहद करीब है। तीसरे ग्रह का नाम प्रोक्सिमा सी है जो अपने सितारे का एक चक्कर लगाने में 5 साल लेता है।वैज्ञानिकों के मुताबिक यह ग्रह अपने सितारे से इतनी दूरी पर है जहां जीवन पैदा हो सकता है। यह स्थिति ग्रह की सतह पर द्रवीय जल के लिए भी बहुत अच्छी है जो जीवन के लिए एक जरूरी शर्त है।

शब्द पहेली - 7201

बाएँ से दाएँ

1. रमण योग्य-4
4. साल,वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय,वोट-2
9. तकरार,कहासुनी-4
11. अंधकार,अंधेरा-3
12. सरल,आसान-3
13. चील,ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली,क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य,काज-2
23. बाण,तीर-2
24. दबाना,कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. परंपरा,रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा,विश्वास-3
4. दीदी,भगिनी-3
5. समान,एक जैसा-2
8. अंधेरा,अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब,जलाशय-4
15. तमीज,शिष्टता-3
16. मछली,एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन,विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा,अभिमान-2
23. पार्थिव देह,लाश-2

शब्द पहेली -7200 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

हेनरी की घातक गेंदबाजी , न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 95 रनों पर समेटा

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। तेज गेंदबाज मैट हेनरी की शानदार गेंदबाजी से मेजबान न्यूजीलैंड ने यहां हेगले ओवल में खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन ही मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 95 रनों पर ही आउट कर दिया। हेनरी ने 23 रन देकर सात विकेट लेकर मेहमान टीम के बल्लेबाजी क्रम को ढ़हा दिया। इस मैच में कीवी कप्तान । टॉम लैथम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित कर दिया।

अनभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के बाहर होने के कारण इस मैच में शामिल युवा खिलाड़ी हेनरी ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए विरोध टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। लंच तक ही दक्षिण अफ्रीका ने 50 रनों के अंदर ही अपने चार विकेट खो दिए थे। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम चाय काल के पहले ही 50 ओवर के अंदर ही पेवेलियन लौट गयी। सबसे ज्यादा 25 रन जुबेर हमजा ने बनाए। वहीं अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। न्यूजीलैंड की पहली पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 36 रन के अंदर ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों लैथम 15 और विल यंग 08 के विकेट खो दिए। न्यूजीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 116 रन बना लिए थे। इस प्रकार मेजबान टीम को पहली पारी के आधार पर 21 रन की बढ़त मिल गयी है। दिन का खेल खत्म होने के समय हेनरी निकोल्स 37 जबकि नील वैगनर दो रन बनाकर खेल रहे थे। डेवोन कॉनवे ने 36 रन बनाये। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की ओर से डुआने ओलीवर ने 36 रन देकर दो विकेट लिए।

सानिया और लूसी दुबई टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचीं

दुबई (ईएमएस)। भारत की सानिया मिर्जा और उनकी जोड़ीदार चेक गणराज्य की लूसी हरादेका दुबई टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। सानिया ओर लूसी ने क्वार्टर फाइनल में जापान की शुको ओयामा और सर्बिया की एलेक्सांद्रा क्रुनिच की जोड़ी को सीधे सेट में 7-5 6-3 से हराया। इस टूर्नामेंट के लिए सानिया और लूसी को वाइल्ड कार्ड मिला था। अब सेमीफाइनल में सानिया और लूसी का सामना जापान की एना शिबाहारा और चीन की शुआई झेंग की जोड़ी और युक्रेन की ल्युडमाला किचेनोक और लात्विया की येलेना ओस्टापेंको की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा। सानिया का यह अंतिम सत्र है। ऐसे में वह जीत से इस टूर्नामेंट का समापन करना चाहेंगी।

फीफा कार्यकारी परिषद में शामिल होने वाले पहले भारतीय हैं प्रफुल्ल

नई दिल्ली (ईएमएस)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल फीफा कार्यकारी परिषद के लिए चुने गये हैं। वह फीफा कार्यकारी में शामिल पहले भारतीय हैं। वह 2017 से चार साल तक फीफा वित्त समिति के सदस्य भी रहे हैं।

14 फरवरी 2014 को एआईएफएफ को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय खेल महासंघ का नाम दिया गया। पटेल के कार्यकाल में ही एआईएफएफ ने फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। अप्रैल 2014 इसके लिए आठ फ्रेंचाइजी मालिकों की घोषणा भी की गयी। तभी से आईएसएल मुकाबले हर साल हो रहे हैं और इससे भारतीय फुटबॉल का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

भारतीय टीम के पूर्व फुटबॉलर सेनगुप्ता का निधन

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व फुटबॉलर सुरजीत सेनगुप्ता का कोरोना संक्रमण के कारण निधन हो गया है। सेनगुप्ता 71 साल के थे और कोविड-19 संक्रमण के कारण पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। वह 1970 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी शामिल थे। गौरतलब है कि कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद सेनगुप्ता को 23 जनवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह पिछले हफ्ते से वेंटीलेटर पर थे। उन्होंने गुरुवार दोपहर में अंतिम सांस ली। सेनगुप्ता ईस्ट बंगाल की ओर से मिडफील्डर के तौर पर खेलते थे। उनके समय में ही टीम ने 1970 से 1976 के बीच लगातार छह बार कलकत्ता फुटबॉल लीग का खिताब जीतने के अलावा छह बार आईएफए शील्ड और तीन बार डूरंड कप का खिताब जीते थे। उनका जन्म 30 अगस्त 1951 को हुआ था और उन्होंने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत किदरपोर क्लब के साथ की। खेल जगत ने उनके निधन पर दुख जताया है और उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं।

राज बावा ने रणजी में पहली ही गेंद पर विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

मुम्बई (ईएमएस)। अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप क्रिकेट में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण सबका ध्यान खींचने वाले ऑलराउंडर राज बावा ने अब रणजी ट्रॉफी क्रिकेट के अपने पहले ही मैच में रिकार्ड बनाया है। चंडीगढ़ की ओर से खेल रहे राज ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लिया है। राज ने हैदराबाद के तन्मय अग्रवाल को अपने पहले ही ओवर की पहली गेंद पर पेवेलियन भेज दिया। इससे पहले साल 2000 में राजस्थान के यश कोठारी ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में ही विकेट लिया था। इस प्रकार 22 साल के बाद किसी गेंदबाज ने यश के रिकार्ड की बराबरी की है। राज ने अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में एक पारी में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड भी बनाया था। शिखर धवन ने 2004 विश्व कप में 156 रन बनाए थे जबकि राज ने युगांडा के खिलाफ 162 रनों की पारी खेली थी।

पूजा और सोनिया स्ट्रांजा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में नहीं जाएंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला मुक्केबाज पूजा रानी और सोनिया लाठेर बुल्गारिया में होने वाले स्ट्रांजा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगी। इन दोनो का ही कहना है कि उनकी तैयारी नहीं हैं और ऐसे में वह इस मुकाबले से बाहर रहेंगी। दोनो ने ही इसकी जानकारी टीम और मुक्केबाजी संघ को दे दी है। यह दोनों ही टीम में थीं पर पूजा ने टूर्नामेंट के लिए रवाना होने के एक दिन पहले ही कहा कि उनका अभ्यास नियमित नहीं रहा है और उन्हें नहीं लगता कि वह अच्छा प्रदर्शन कर पायेंगी , इस लिए वह नाम वापस ले रही हैं। वहीं चोट के बाद ही रिहैब में रही सोनिया का भी यही कहना था। वहीं टीम प्रबंधन के अनुसार जब किसी खिलाड़ी का अभ्यास पूर्ण नहीं है और उसे स्वयं जीत का भरोसा नहीं है तो उसे ले जाना सही नहीं रहेगा। इन दोनों ने अंतिम अवसर पर नाम वापस लिया है , ऐसे में किसी अन्य खिलाड़ी को भी शामिल नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार इस टूर्नामेंट के लिए महिला टीम 12 की जगह 10 खिलाड़ियों से ही उतरेगी।

महिला टीम :

नीतू (48 किलो), अनामिका (50 किलो), निकहत जरीन (52 किलो), शिक्षा (54 किलो), मीना रानी (60 किलो), परवीन (63 किलो), अंजलि तुषीर (66 किलो), अरूंधति चौधरी (71 किलो) , स्वीटी (75 किलो), नंदिनी (प्लस 81 किलो) ।

प्रो कबड्डी लीग : जयपुर ने टाइटंस को हराकर दसवां मुकाबला जीता

बेंगलुरु (ईएमएस)। जयपुर पिंक पैंथर्स ने यहां खेले जा रहे प्रो कबड्डी लीग मुकाबले में तेलुगू टाइटंस को 54-35 से हराकर अपना दसवां मुकाबला जीता है। जयपुर की ओर से रेडर अर्जुन देशवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 अंक हासिल किये। वहीं एक अन्य मुकाबले में बंगाल वॉरियर्स ने तमिल थलाइवाज को 31 अंकों से हराया। जयपुर ने टाइटंस के खिलाफ पहले ही हाफ में ही 12 अंकों की बढ़त हासिल कर ली थी। उसने 23 अंक बनाये। वहीं टाइटंस टीम 11 ही अंक हासिल कर सकी। इसके बाद दूसरे हाफ में टाइटंस ने वापसी के प्रयास करते हुए 24 अंक जोड़े जबकि जयपुर टीम ने उससे 7 अंक ज्यादा बटोरे। इस जीत में रेडर अर्जुन देशवाल ने 14 अंक हासिल किए जबकि ऑलराउंडर ब्रजेंद्र सिंह ने 8 अंक बटोरे। वहीं दूसरी ओर टाइटंस की ओर से रेडर अर्जुन ने 9 अंक हासिल किये।

एक अन्य मुकाबले में बंगाल वॉरियर्स ने शानदार खेल दिखाते हुए तमिल थलाइवाज को 52-21 से शिकस्त दी। कप्तान मनिंदर सिंह ने 14 जबकि ऑलराउंडर नबीबख्श ने 13 अंक हासिल किए। थलाइवाज की ओर से डिफेंडर हिमांशु ने 7 अंक हासिल किए। बंगाल को यहां पहले हाफ में ही 18 अंकों की बढ़त मिल गयी थी जबकि दूसरे हाफ में उसने थलाइवाज से 13 अंक ज्यादा जोड़े थे।

भारत-वेस्टइंडीज तीसरे टी20 में दर्शकों को मिलेगा प्रवेश

कोलकाता (ईएमएस)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले तीसरे टी20 मैच में दर्शकों को भी प्रवेश मिलेगा। बीसीसीआई ने बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) के अनुरोध को मानते हुए कहा है कि 20 फरवरी को होने वाले तीसरे और अंतिम मैच में 20000 दर्शकों को प्रवेश दिया जा सकता है। इससे पहले कैब ने कहा था कि अब कोरोना संक्रमण का खतरा कम हो गया है , इसलिए दर्शकों को प्रवेश दिया जाना चाहिये।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बंगाल क्रिकेट संघ के प्रमुख अविषेक डालमिया को अपने जवाब में कहा ,'' आपके अनुरोध के बाद अन्य पदाधिकारियों के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टी20 में दर्शकों को प्रवेश दिया जा सकता है।''

दूसरे टी20 के साथ ही सीरीज जीतने उतरेगी टीम इंडिया

शाम सात बजे शुरू होगा मैच

कोलकाता (ईएमएस)। टीम इंडिया शुक्रवार को यहां मेहमान टीम वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भी हराकर सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले मैच को जीतकर इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की है , जिसे वह और बढ़ाना चाहेगी। कप्तान रोहित शर्मा की भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को हर क्षेत्र में पीछे छोड़ा है। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में है। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम अब तक खेल के हर क्षेत्र में पीछे रही है। कप्तान कीरोन पोलार्ड की इंडीज टीम इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। वैसे भी टी20 उसका पसंदीदा प्रारुप रहा है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी की बात करें तो कप्तान रोहित शर्मा अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में ईशान किशन के साथ टीम को आक्रामक शुरुआत दी थी। ईशान पहले मैच में तेजी से रन नहीं बना पाये थे , इसलिए उन्हें इस मैच में बेहतर तैयारी के साथ उतरना होगा। वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली को भी इस मैच में बड़ी पारी खेलनी होगी। विराट पहले मैच में 13 गेंद में 17 रन ही बना पाये थे। भारत ने पहले मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को अवसर दिया था पर वह क्षेत्ररक्षण करते समय चोटिल हो गये थे। ऐसे में इस मैच में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। अगर वह बाहर होते हैं तो बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अवसर मिला सकता है। वहीं अगर वेंकटेश पफिट रहते हैं तो उनका खेलना तय है क्योंकि कप्तान रोहित का मानना है कि आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरुरत है।

वहीं पहले मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान तेज गेंदबाज दीपक चाहर को दाएं हाथ में चोट लगी थी जिसके कारण उनका खेलना भी इस मैच में संदिग्ध है। पहले मैच में पदार्पण के साथ ही लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने शानदार प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखना चाहेंगे। दूसरी ओर इस दौरे में लगातार हार का सामना कर रही कप्तान कीरोन पोलार्ड की वेस्टइंडीज टीम इस मैच में अपनी पूरी ताकत लगा देगी। टीम उम्मीद करेगी कि चोटिल तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेसन होल्डर इस मैच के लिए फिट हो जाएं। वह पहले मैच से बाहर थे। टीम को इसके अलावा पहले मैच में शानदार अर्धशतक लगाने वाले निकोलस पूरन से इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स भी पहले मैच में विफल रहे। पहले मैच में इंडीज बल्लेबाजों को बिश्नोई की गेंदों को खेलने में परेशानी आई थी। अब देखना है कि वह इस मैच में किस प्रकार बिश्नोई का सामना करते हैं। दोनो ही टीमें इस प्रकार है :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्य कुमार यादव, ऋषभ पंत, वेंकटेश अय्यर, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, रवि बिश्नोई, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, अवेश खान, हर्षल पटेल, रुतुराज गायकवाड़, दीपक हुड्डा, कुलदीप यादव और हरप्रीत बरार।

वेस्टइंडीज : कीरोन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरन, फैबियन एलेन, डेरेन ब्रावो, रोस्टन चेज, शेल्डन कॉटरेल, डोमीनिक ड्रेक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, ब्रेंडन किंग, रोवमैन पावेल, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, काइल मायर्स और हेडन वॉल्श जूनियर।

ट्राई आंकड़े- दिसंबर में देश के मोबाइल ग्राहकों की संख्या में 1.28 करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। दूरसंचार क्षेत्र की नियामक शीर्ष संस्था ट्राई ने गुरुवार को आंकड़े जारी कर बताया कि भारत में मोबाइल ग्राहकों की संख्या में दिसंबर 2021 के दौरान मासिक आधार पर 1.28 करोड़ की गिरावट हुई। समीक्षाधीन अवधि में रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया को ग्राहकों की कमी का सामना करना पड़ा, जबकि भारती एयरटेल ग्राहकों को बढ़ाने में सफल रही। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक रिलायंस जियो ने लगभग 1.29 करोड़ वायरलेस ग्राहकों को खो दिया, और उसके ग्राहकों की संख्या घटकर 41.57 करोड़ रह गई। वोडाफोन आइडिया ने दिसंबर 2021 में 16.14 लाख मोबाइल ग्राहक खो दिए और उसके पास 26.55 करोड़ ग्राहक बचे। इसके विपरीत, एयरटेल के पास 4.75 लाख ग्राहक बढ़ गए, जिससे उसके वायरलेस उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़कर 35.57 करोड़ हो गई।

ईडी ने एबीजी शिपयार्ड के खिलाफ मनी लांड्रिंग मामला दर्ज किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंकों के समूह के साथ 22,842 करोड़ रुपए से अधिक की कथित धोखाधड़ी मामले में एबीजी शिपयार्ड ?लि?मिटेड, उसके पूर्व प्रवर्तकों के साथ अन्य के खिलाफ मनी लांड्रिंग का आपराधिक मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के कथित तौर पर देश के सबसे बड़े बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद यह कदम उठाया गया है। सूत्रों ने कहा कि सीबीआई की शिकायत और फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट देखने के बाद ईडी ने धन शोधक निरोधक कानून (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) विशेष रूप से बैंक ऋण की कथित हेराफेरी, लोगों के पैसे को लूटने के लिए मुखौटा कंपनियों के गठन तथा कंपनी के अधिकारियों और अन्य की भूमिका पर गौर करेगा। उन्होंने बताया कि एक बार धनशोधन और धन के अवैध हस्तांतरण का आरोप स्थापित होने के बाद एजेंसी द्वारा आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने की भी कार्रवाई की जा सकती है।

यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस के बीच खिंची तलवारें

-भूमध्य सागर में आमने-सामने आए फाइटर जेट

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस के बीच टकराव से पूरी दुनिया चिंतित है वहीं दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस के बीच भी तलवारें खिंच गई हैं। हजारों परमाणु बम से लैस अमेरिका और रूस के सेना के बीच तनाव का नया केंद्र बना है भूमध्य सागर। अमेरिकी मीडिया में आई रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी नौसेना का सबमरीन हंटर विमान पी 8 भूमध्य सागर में गश्त के निकला था। इसी बीच हवा में ही कई रूसी लड़ाकू विमानों से उसका आमना-सामना हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों देशों के विमान एक-दूसरे के 'बेहद करीब' आ गए थे जिससे जोरदार भिड़ंत का खतरा पैदा हो गया था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरी घटना भूमध्य सागर में इस सप्ताहांत अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई। इस खौफनाक घटनाक्रम से सीधे तौर पर जुड़े अमेरिका के कई अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। सूत्रों ने यह नहीं बताया कि रूसी विमान अमेरिकी सबमरीन हंटर के कितना करीब आया था लेकिन उन्होंने इतना कहा कि रूसी विमानों का रवैया 'असुरक्षित और गैर पेशेवर' था। उन्होंने कहा कि ऐसा कई बार हुआ है।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी माइक काफ्का ने कहा, 'हमने अपनी चिंताओं से रूसी अधिकारियों को राजनयिक रास्ते से बता दिया है।' एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी विमान का सामना रूस के अत्याधुनिक सुखोई-35 लड़ाकू विमानों से हुआ था। कई अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी मौजूद है। हालांकि यूक्रेन पर रूस के साथ तनाव के बीच बाइडन प्रशासन ने अभी तक सार्वजनिक रूप से नहीं माना है कि ऐसी घटना हुई है। रूसी राष्ट्रपति के तनाव को घटाने के तमाम दावों के बाद भी अमेरिका ने बुधवार को आरोप लगाया कि यूक्रेन की सीमाओं पर रूसी सेना ने हाल के दिनों में लगभग 7,000 सैनिकों की वृद्धि की है। उधर, ब्रिटेन के डिफेंस इंटेलीजेंस चीफ ने भी कहा है कि रूस, यूक्रेन की सीमा पर अपनी सैन्य क्षमताओं में इजाफा कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी इससे पहले बुधवार को कहा था कि उसे रूसी सैनिकों के यूक्रेन की सीमा से सार्थक वापसी के दावे को अपनी जांच में सही नहीं पाया है।

इससे पहले यूरोपीय यूनियन में रूसी राजदूत व्लादिमीर चिझोव ने जर्मन अखबार से कहा था कि यूक्रेन पर कोई हमला नहीं होने जा रहा है। यह न तो आने वाले सप्ताह में और न ही आने वाले महीने में। रूस के इस दावे के बाद भी यूक्रेन, अमेरिका और अन्य नाटो देशों को इस पर भरोसा नहीं हो रहा है। भूमध्य सागर में रूस और अमेरिका के बीच यह टकराव यूक्रेन की सीमा से बहुत दूर हुआ लेकिन इसे यूरोप में जारी तनाव से ही जोड़कर देखा जा रहा है।

ब्राजील में भारी बारिश, भूस्खलन में कम से कम 44 लोगों की मौत

-हादसे में सबसे ज्यादा प्रभावित पेट्रोपोलिस में राहत एवं बचाव अभियान जारी

-दमकल विभाग ने बयान में बताया कि 180 सैनिक बचाव अभियान में जुटे हैं

पेट्रोपोलिस(ईएमएस)। ब्राजील के पर्वतीय क्षेत्र में अत्यंत भारी बारिश के बाद भूस्खलन और बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 44 हो गयी है। स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी बयान में उक्त जानकारी दी गई। प्राकृतिक हादसों से सबसे ज्यादा प्रभावित पेट्रोपोलिस में राहत एवं बचाव अभियान अभी जारी है और यहां के मेयर रुबेन्स बोम्टेम्पो का कहना है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक 21 लोगों को सुरक्षित बचाने में कामयाबी मिली है। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में 2011 में भारी बारिश के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी।

राहत एवं बचाव अभियान के बीच बुधवार को 49 वर्षीय रोसलीन विर्गिलियो के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे, क्योंकि उन्हें मलबे में फंसी महिला का क्रंदन याद आ रहा था, जिसे वह बचा नहीं सकीं। उन्होंने बताया, ''कल एक महिला मदद के लिए चिल्ला रही थी। मुझे यहां से बाहर निकालो। लेकिन हम कुछ नहीं कर सके। पानी और मिट्टी का मलबा धसक रहा था।'' उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यवश हमारा शहर बर्बाद हो गया है।'' गवर्नर क्लॉडियो कास्त्रो ने पत्रकारों को बताया कि यह 'युद्ध जैसी स्थिति है' और वह प्रभावित क्षेत्रों से मलबा साफ करने के लिए आसपास के राज्यों से भारी मशीनरी सहित हर संभव मदद मंगवा रहे हैं। राज्य के दमकल विभाग ने एक बयान में बताया कि 180 सैनिक बचाव अभियान में जुटे हैं। विभाग ने बताया कि इलाके में दिन में तीन घंटे के भीतर 25.8 सेंटीमीटर बारिश हुई, जो इससे पहले के 30 दिन में हुई बारिश के बराबर है। रूस की यात्रा पर गए ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने ट्वीट किया कि उन्होंने अपने मंत्रियों को बारिश के कारण प्रभावित हुए लोगों की तत्काल मदद करने के निर्देश दिए हैं।

अनियंत्रित यात्री ने काकपिट में घुसने की कोशिश की, करना पड़ा एमरजेंसी लैंडिंग

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकन एयरलाइन की फ्लाइट में पिछले रविवार को काफी हंगामा हुआ। दरअसल एक अनियंत्रित यात्री उड़ते प्लेन में कॉकपिट में घुसने और प्लेन का दरवाजा खोलने की कोशिश करने लगा।इसके बाद फ्लाइट की एमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। 50 वर्षीय जुआन रेम्बर्टो रिवास ने रविवार दोपहर वाशिंगटन जाने वाली एक उड़ान में कई गड़बड़ी की।इसके बाद लॉस एंजिल्स से फ्लाइट 1775 को बीच यात्रा के दौरान कैनसस सिटी की ओर मोड़ दिया गया, जहां कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मुलाकात की। एक अन्य यात्री, द्वारा ट्विटर पर शेयर फुटेज में रिवास को कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा काबू में किया जा रहा है।यह वीडियो तब लिया गया था, जब फ्लाइट को कंसास ले जाया गया था, जहां रिवास को एस्कॉर्ट किया गया था। पुलिस के कंसास में उतरने के बाद उसे विमान से उतारने के दौरान उस शख्स का खून बह रहा था।

एक फ्लाइट अटेंडेंट को गलती से अभिनय करने के बाद यात्री को वश में करने के लिए कॉफी पॉट का उपयोग करना पड़ा। उन्होंने फ्लाइट अटेंडेंट से कहा, ठलोग उन्हें चोट पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे और वे विमान में उनका पीछा कर रहे थे। एक अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, रिवास, जो वर्तमान में पुलिस हिरासत में है, उसने भी ठएक छोटी शैंपेन की बोतल पकड़ ली और काउंटर पर बोतल को तोड़ने की कोशिश की। उसने फ्लाइट अटेंडेंट में से एक में सर्विस कार्ट को लात मारना और धक्का देना शुरू कर दिया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट रही। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंक शेयरों में हुई बिकवाली से भी घरेलू बाजार गिरा है। इससे पहले बुधवार को भी बाजार में गिरावट रही थी जो आज दूसरे दिन भी जारी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 700 अंक से अधिक उतार-चढ़ाव के बाद अंत में यह 104.67 अंक करीब 0.18 फीसदी नीचे आकर 57,892 अंक पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 17.60 अंक तकरीबन 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,304.60 अंक पर बंद हुआ। इस गिरावट का मुख्य कारण आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और इंडसइंड बैंक के साथ ही अन्य बैंक शेयरों में जारी बिकवाली को बताया गया है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से करीब 19 शेयर नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर सूचकांक में ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाली एचडीएफसी और आरआईएल के शेयर 1.71 फीसदी तक बढ़े हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,890.96 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे थे। उससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसके अलावा यूक्रेन संकट के कारण भी निवेशकों में छाया भय का माहौल है।

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आये उछाल के बीच ही दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 513 रुपये ऊपर आकर 49,738 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोने की कीमतें 49,225 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थीं। वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमतें 190 रुपये की बढ़त के साथ ही 63,222 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि गत सत्र में चांदी 63,032 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 0.37 फीसदी बढ़त के साथ ही 1,876 डॉलर प्रति औंस पर जबकि चांदी 23.58 डॉलर प्रति औंस पर बनी थी।

जनवरी के आखिर तक 14.34 लाख सक्रिय कंपनियां: एमसीए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में जनवरी के आ?खिर तक 14.34 लाख से अधिक कंपनियां सक्रिय थीं और पिछले महीने 12,182 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार 31 जनवरी तक पंजीकृत कंपनियों की संख्या 22,88,681 थी और इनमें से 7,91,908 कंपनियां बंद हो गईं। वहीं कुल 52,548 कंपनियां आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाए जाने की प्रक्रिया में हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक 31 जनवरी तक 14,34,848 सक्रिय कंपनियां थीं। मंत्रालय ने कहा कि इस संख्या में पिछले 18 महीनों के भीतर जोड़ी गई 2,57,337 कंपनियां को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा जनवरी के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत 663 एक व्यक्ति वाली कंपनियों (ओपीसी) को पंजीकृत किया गया।

कोरोना महामारी की वजह से एलआईसी की पॉलिसी बिक्री में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोराना महामारी की वजह से जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की कुल व्यक्तिगत और समूह पॉलिसियों की बिक्री में ?गिरावट दर्ज की गई है। एलआईसी द्वारा दायर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेजों के अनुसार देश की प्रमुख बीमा कंपनी की व्यक्तिगत और समूह पॉलिसियां की बिक्री वित्त वर्ष 2018-19 के 7.5 करोड़ से 16.76 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2019-20 में 6.24 करोड़ पर आ गई। वित्त वर्ष 2020-21 में यह 15.84 प्रतिशत और घटकर 5.25 करोड़ रह गई। कंपनी ने कहा है कि महामारी और उसकी वजह से लगाए गए लॉकडाउन के चलते 2019-20 की चौथी तिमाही में व्यक्तिगत पॉलिसियों की बिक्री 22.66 प्रतिशत घटकर 63.5 लाख रह गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 82.1 लाख रही थी। इसका प्रभाव 2020-21 और 2021-22 की पहली तिमाहियों में भी नजर आया। इस दौरान यह क्रमशः 46.20 प्रतिशत घटकर 19.1 लाख और फिर 34.93 प्रतिशत घटकर 23.1 लाख रह गई।

सिंगापुर के पीएम ने लोकतंत्र संबंधी बहस में पंडित नेहरू को सराहा

सिंगापुर (ईएमएस)। भारत के लोकतंत्र की मिसाल पूरी दुनिया में दी जाती है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने 'देश में लोकतंत्र को कैसे काम करना चाहिए' विषय पर संसद में एक जोरदार बहस के दौरान भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जिक्र किया। ली ने मंगलवार को बहस के दौरान कहा, 'ज्यादातर देश उच्च आदर्शों और महान मूल्यों के आधार पर स्थापित होते हैं और अपनी यात्रा शुरू करते हैं। हालांकि, अक्सर संस्थापक नेताओं और अग्रणी पीढ़ी से इतर, दशकों और पीढ़ियों में धीरे-धीरे चीजें बदलती हैं।' उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता के लिए लड़ने और जीतने वाले नेता अक्सर जबरदस्त साहस, महान संस्कृति और उत्कृष्ट क्षमता वाले असाधारण व्यक्ति होते हैं। वे मुश्किलों से पार कर पाये और जनता तथा राष्ट्रों के नेताओं के रूप में उभरे भी। डेविड बेन-गुरियन, जवाहर लाल नेहरू ऐसे ही नेता हैं।'

अमेरिका को उम्मीद, यूक्रेन पर रूसी हमला होता है तो भारत अमेरिका का साथ देगा

- विदेश मंत्रियों की मेलबर्न में हुई बैठक में रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर चर्चा हुई

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कहा कि भारत नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही अमेरिका ने उम्मीद जताई कि अगर रूस यूक्रेन पर आक्रमण करता है तो भारत अमेरिका का साथ देगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि चार देशों (क्वाड) के विदेश मंत्रियों के बीच हाल में ऑस्ट्रेलिया की राजधानी मेलबर्न में हुई बैठक में रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर चर्चा हुई। भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के विदेश मंत्री इस बैठक में शामिल हुए थे। प्राइस ने कहा ?कि बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि इस मामले के राजनयिक-शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत है। क्वाड नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने का पक्षधर है। प्रवक्ता ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा ?कि नियम आधारित व्यवस्था हिंद प्रशांत क्षेत्र में समान रूप से लागू होती है, जैसे कि यह यूरोप में है या अन्य कहीं है। हम जानते हैं कि हमारे भारतीय साझेदार नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है। इस व्यवस्था में अनेक नियम हैं, उनमें से एक यह है कि बल के जरिए सीमाओं का पुनर्निर्धारण नहीं हो सकता। भारत सहित अन्य पड़ोसियों के खिलाफ चीन के आक्रामक रुख का प्रत्यक्ष जिक्र करते हुए उन्होंने कहा ?कि बड़े देश छोटे देशों को परेशान नहीं कर सकते। किसी देश के लोग अपनी विदेश नीति, अपने साझेदार, गठबंधन सहयोगी आदि चुनने के हकदार हैं। ये सिद्धांत यूरोप की भांति हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी समान रूप से लागू होते हैं। प्रवक्ता ने कहा ?कि अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की, लेकिन उन्होंने इस बात पर कुछ भी बोलने से परहेज किया कि क्या काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन्स मामले पर भी कोई चर्चा हुई या नहीं।

यूक्रेन से तनाव के बीच रूस बना रहा अदृश्य पनडुब्बी, रडार की पहुंच से भी रहेगी दूर

मॉस्को (ईएमएस)। रूस अपनी समुद्री ताकत में लगातार इजाफा करने में लगा है। यूक्रेन से जारी तनाव के बीच रूस 72 मीटर लंबे पनडुब्बी गश्ती जहाज का निर्माण कर रहा है। बड़ी बात यह है कि इस डिजाइन में पनडुब्बी और युद्धपोत दोनों की खूबियां शामिल होंगी। आकार में इतना बड़ा होने के बावजूद यह जहाज बेहतरीन स्टील्थ तकनीक से लैस होगा। इस कारण दुश्मन के रडार इस गश्ती जहाज को आसानी से डिटेक्ट नहीं कर पाएंगे। स्ट्रॉज पनडुब्बी गश्ती जहाज को रुबिन डिजाइन ब्यूरो फर्म बना रही है। इस जहाज पर हथियारों के तौर पर मिसाइल और टारपीडो भी तैनात होंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस की सरकारी कंपनी रुबिन डिजाइन ब्यूरो फर्म ने इसी हफ्ते 72 मीटर (236 फीट) लंबी स्ट्रॉज पनडुब्बी गश्ती जहाज के निर्माण की घोषणा की है। इस पनडुब्बी गश्ती जहाज का कुल डिस्प्लेसमेंट 1300 टन होने की संभावना है। कोरोना के कारण रूस ने अपने सैन्य बजट में काफी कटौती की है। इस कारण नए जहाज को मल्टी मिशन और मल्टी फंक्शनल बनाया जा रहा है। इस स्पेशल जहाज की डिजाइन पर काम कई साल से चल रहा था। इसको बनाने का ऐलान बस एक हफ्ते पहले ही हुआ है।

प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, रूस का यह विशालकाय पनडुब्बी गश्ती जहाज पानी के नीचे 38 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलने में सक्षम होगा। इस जहाज को चलाने के लिए इसमें एक विशाल पावर प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। रूस का दावा है कि स्ट्रॉज पनडुब्बी गश्ती जहाज अपने आकार की बदौलत रडार डिटेक्शन से बचने में सक्षम होगा। इसके आगे का हिस्सा रडार की तरंगों को चकमा देने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। पनडुब्बी से पैदा होने वाली तरंगों को कम करने के लिए इसमें स्टील्थ तकनीक और स्पेशल मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है। इस जहाज का इस्तेमाल एंटी सबमरीन फोर्स की ट्रेनिंग के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा इस पनडुब्बी के जरिए क्रू को स्पेशल ट्रेनिंग भी दी जा सकती है। यह पनडुब्बी गश्ती जहाज 10 समुद्री मील प्रति घंटे की गति से 4000 समुद्री मील तक का सफर तय कर सकता है। यह जहाज रूस के तटीय इलाकों की रखवाली कर सकता है। युद्ध की स्थिति में इसे दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढने और उन्हें बर्बाद करने के मिशन पर भी लगाया जा सकता है।

आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर 29.8 लाख से भी टीएआर दाखिल की गईं

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर 15 फरवरी, 2022 तक 29.8 लाख से भी अधिक प्रमुख टैक्स ऑडिट रिपोर्ट (टीएआर) दाखिल की गई हैं। अंतिम दिन 4.14 लाख से भी अधिक प्रमुख टैक्स ऑडिट रिपोर्ट/फॉर्म दाखिल किए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में 29.8 लाख प्रमुख वैधानिक फॉर्म में से 2.65 लाख से भी अधिक फॉर्म 3सीए-3सीडी और लगभग 24.5 लाख फॉर्म 3सीबी-3सीडी दाखिल किए गए हैं। 15 फरवरी 2022 तक 2.71 लाख से भी अधिक अन्य टैक्स ऑडिट रिपोर्ट (फॉर्म 10बी, 29बी, 29सी, 3सीईबी, 10सीसीबी, 10बीबी) दाखिल की गई हैं। 15 फरवरी 2022 को 34,842 फॉर्म 3सीए-3सीडी (कुल 2,65,153 में से); 3,36,842 फॉर्म 3सीबी-3सीडी (कुल 24,48,950 में से); 18,644 फॉर्म 10बी (कुल 1,50,950 में से); 11,852 फॉर्म 29बी (कुल 74,923 में से); 478 फॉर्म 29सी (कुल 2,820 में से) 10,542 फॉर्म 3सीईबी (कुल 33,345 में से); 873 फॉर्म 10सीसीबी (कुल 4,904 में से); और 570 फॉर्म 10बीबी (कुल 3851 में से) दाखिल किए गए हैं। अंतिम तिथि यानी 15.02.2022 की बढ़ी हुई अंतिम तिथि को इन वैधानिक फॉर्म का 14ङ और अंतिम 5 दिनों में यानी 11.02.2022 से लेकर 15.02.2022 तक इन वैधानिक फॉर्म का 30ङ दाखिल किया गया।

जापान का व्यापार घाटा आठ साल में सबसे ज्यादा

तोक्यो (ईएमएस)। ऊर्जा आयात की लागत बढ़ने से जापान को पिछले महीने 2200 अरब येन (19 अरब अमेरिकी डॉलर) का व्यापार घाटा हुआ, जो आठ साल में सबसे अधिक है। जापान के वित्त मंत्रालय ने कहा कि जनवरी 2022 में निर्यात पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 9.6 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान आयात में 39.6 प्रतिशत वृद्धि हुई, जिसके चलते लगातार छठे महीने व्यापार घाटा देखने को मिला। समीक्षाधीन अवधि में व्यापार घाटा, जनवरी 2014 के बाद सबसे अधिक है, जब व्यापार घाटा लगभग 2800 अरब येन था।

नेपाल की सियासी हलचल में बवाल का केंद्र बना चीन

-माओवादी नेता प्रचंड ने दी सरकार गिराने की धमकी

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल में राजनीतिक पारा एक बार फिर गर्म होता दिख रहा है लेकिन इस बार भी नेपाल में जारी राजनीतिक बवाल के केंद्र में चीन है। नेपाल की सत्तारूढ़ शेर बहादुर देऊबा सरकार में साझीदार कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) के नेता पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने चेतावनी दी है कि वह सरकार से अलग हो जाएंगे। प्रचंड ने देऊबा सरकार को यह धमकी ऐसे समय पर दी जब वह कुछ घंटे बाद ही अमेरिका के मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) को लागू करने के लिए संसद में इसे पेश करने जा रही थी। एमसीसी के तहत अमेरिका सरकार नेपाल को 50 करोड़ डॉलर की मदद देना चाहती है लेकिन नेपाल का चीन समर्थक धड़ा इसका विरोध कर रहा है। सीपीएन माओवादी के संसद में नेता देव प्रसाद गुरुंग ने कहा, 'अगर सरकार इसे लागू करने का प्रयास करती है तो यह सरकार के लिए समय है कि गठबंधन को तोड़ दिया जाए।' 50 करोड़ डॉलर की अमेरिकी मदद के जरिए नेपाल में सड़कों की गुणवत्ता को सुधारा जाना है। इसके अलावा बिजली की उपलब्धता को बढ़ाना है और नेपाल तथा भारत के बीच बिजली का व्यापार किया जाना है।

एमसीसी को लागू करने के लिए उसे संसद में पास कराया जाना जरूरी है। प्रचंड की पार्टी ने पीएम देऊबा से कहा है कि वह इस अमेरिकी सहायता पर अपने सहयोगी दलों के साथ आम सहमति बनाए। इससे पहले अमेरिका ने एमसीसी को लेकर नेपाल को धमकी दी थी। अमेरिका ने कहा कि नेपाल 28 फरवरी तक मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन के तहत प्रस्तावित अनुदान सहायता समझौते की पुष्टि करे। यदि नेपाल 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता स्वीकार नहीं करता है तो वह उसके साथ अपने संबंधों की समीक्षा करेगा और ऐसा मानेगा कि यह समझौता चीन की वजह से विफल हो गया।

गत वर्ष सत्ता में आने वाले शेर बहादुर देऊबा ने अमेरिका को आश्वासन दिया है कि वह संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में ही एमसीसी को अपनी अनुमति दे देगा। उधर, प्रचंड और उनके समर्थकों का कहना है कि यह अमेरिकी सहायता देश के संविधान को कमजोर करेगा जो उसकी हिंद-प्रशांत रणनीति का हिस्सा है। उनका यह भी कहना है कि अमेरिका नेपाल की जमीन का इस्तेमाल चीन के खिलाफ कर सकता है। नेपाल और अमेरिका ने 2017 में एमसीसी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अमेरिकी विदेश मंत्री के सहायक डोनाल्ड लू ने गुरुवार को इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, सीपीएन-माओवादी सेंटर के प्रमुख पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' और मुख्य विपक्षी दल सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष के पी शर्मा ओली के साथ टेलीफोन पर अलग-अलग बातचीत की थी। सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, डोनाल्ड लू ने चेतावनी दी कि 'यदि नेपाली राजनीतिक नेतृत्व 28 फरवरी की निर्धारित समय सीमा के भीतर एमसीसी कॉम्पैक्ट अनुदान का समर्थन करने में विफल रहता है, तो अमेरिका को नेपाल के साथ अपने संबंधों की समीक्षा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।'

इससे पहले पिछले साल श्रीलंका ने भी एमसीसी समझौते को चीन के दबाव में खारिज कर दिया था। इसके बाद अमेरिका ने अपनी प्रस्तावित 48 करोड़ डॉलर की सहायता को रद कर दिया था। एमसीसी के तहत 30 देश दुनियाभर में भागीदार बने हैं और अब तक 13 अरब 50 करोड़ डॉलर की सहायता दी गई है। वहीं चीन इस अमेरिकी सहायता का विरोध कर रहा है। देश के कई हिस्से में एमसीसी को लेकर प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं।

कोरोना के एक ओर वेरिएंट डेल्टाक्रॉन का मामला ब्रिटेन में आया सामने

लंदन (ईएमएस)। ओमिक्रॉन वेरिएंट के कारण कोरोना संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है कि फिर से एक और नया वेरिएंट डेल्टाक्रॉन सामने आया है। यह डेल्टा और ओमिक्रॉन का हाइब्रिड वेरिएंट है। वास्तव में असली हो सकता है।दरअसल शुरुआत में इस लैबोरेटरी की गलती बताया गया था।डेल्टाक्रॉन का मामला तब सामने आया जब ब्रिटेन में एक मरीज का इलाज किया गया जो कि कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों वेरिएंट से संक्रमित हुआ था।रिपोर्ट में बताया कि, हालांकि यह अब स्पष्ट नहीं है कि इस हाइब्रिड वेरिएंट की उत्पत्ति ब्रिटेन में हुई है या फिर बाहर से आया है.

यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी के अनुसार, कोरोना के नए वेरिएंट से जुड़ी रोगों की गंभीरता और इस पर वैक्सीन का प्रभाव फिलहाल अभी अज्ञात नहीं है। अधिकारियों ने इस कम गंभीर श्रेणी वाला वेरिएंट बताया है क्योंकि इससे जुड़े मामले बेहद कम है। इस वेरिएंट को लेकर बहुत अधिक खतरा पैदा नहीं करना चाहिए। क्योंकि यूके में ओरिजिनल डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ इम्युनिटी का लेवल बहुत मजबूत व बेहतर है। इसलिए, मैं इस समय बहुत ज्यादा चिंतित नहीं हूं। उन्होंने कहा कि अगर डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों के मामले कम हो रहे हैं,तब सैद्धांतिक रूप से इस वेरिएंट के संक्रमण का ट्रांसमिशन इतना आसान नहीं होगा। बता दें कि करीब एक महीने पहले साइप्रस के एक संक्रामक रोग विशेषज्ञ ने कहा था कि उन्होंने डेल्टाक्रॉन वेरिएंट की पहचान की है।

भारत में चालू साल एक से बढ़कर एक कारें होगी लॉन्च

-कई नामी कंपनियां कर रही है तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू साल भारत में एक से बढ़कर एक कारें और एसयूवी लॉन्च होने वाली हैं, जो देखने में तो खूबसूरत हैं ही, साथ ही फीचर्स के मामले में भी जबरदस्त हैं। इन कारों में ढेर सारी इलेक्ट्रिक कारें और इलेक्ट्रिक एसयूवी भी है। आपको आज बताते हैं कि आने वाले समय में भारत में कौन-कौन सी कारें लॉन्च होने जा रही हैं और उनकी संभावित कीमत कितनी होगी?

इस साल भारत में मारुति सुजुकी अपनी ऑफ-रोड एसयूवी मारुति सुजुकी जिम्नी लॉन्च कर सकती है, जिसकी संभावित कीमत लाख रुपये से लेकर 12 लाख रुपये के बीच हो सकती है। इसके साथ ही जीप अपनी तीसरी एसयूवी जीप मरीडियन भी लॉन्च हो सकती है और इसकी कीमत 25 लाख रुपये से 35 लाख रुपये के बीच हो सकती है। आने वाले समय में टोयोटा भी अपनी नई एमपीवी टोयोटा रूमियन लॉन्च कर सकती है, जिसकी कीमत 10 से 13 लाख रुपये के बीच हो सकती है।महिंद्रा इस साल अपनी बेस्ट सेलिंग एसयूवी में से एक महिंद्रा न्यू स्कारपियो भी लॉन्च करने वाली है, जिसकी कीमत 11 लाख रुपये से लेकर 18 लाख रुपये तक हो सकती है। इसके साथ ही महिंद्रा एक्सयूवी500 का नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल लॉन्च करने वाली है, जिसकी कीमत 10 लाख रुपये से लेकर 16 लाख रुपये के बीच हो सकती है। इसके साथ ही ऑडी न्यू क्यू3 एसयूवी भी लॉन्च होने वाली है, जिसकी कीमत 35 लाख रुपये से लेकर 45 लाख रुपये के बीच हो सकती है। इस महीने भारत में 2022 एमजी झेएस ईवी लॉन्च हो सकती है, जिसकी कीमत 25 लाख रुपये से ज्यादा हो सकती है। इसके साथ ही 2022 हयूदै कोना इलेक्ट्रिक भी आ सकती है, जिसकी कीमत 30 लाख रुपये से ज्यादा हो सकती है।

इस साल भारत में महिंद्रा दो शानदार इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च कर सकती है, जिसमें महिंद्रा ईएक्यूवी300 की संभावित कीमत 13 लाख रुपये से लेकर 18 लाख रुपये तक हो सकती है। वहीं, महिंद्रा इकेयूवी100 की संभावित कीमत 8 लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये हो सकती है। टाटा मोटर्स इस साल टाटा अट्रोज ईवी लॉन्च हो सकती है, जिसकी संभावित कीमत 11.5 लाख रुपये से लेकर 13 लाख रुपये हो सकती है।

अब रीढ की हड्डी का भी किया जा सकेगा प्रत्यारोपण

- प्रत्यारोपण के बाद लकवाग्रस्त इंसान भी चलने लगेगा

लंदन (ईएमएस)। अब रीढ की हड्डी का प्रत्यारोपण भी किया जा सकेगा। लंबे वक्त से इस पर रिसर्च चल रहा था जिसे लेकर अब चिकित्सकों को सफलता हासिल हुई है। रीढ की हड्डी के प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में जो इमप्लांट लगाया जाता है वह उसकी मांसपेशियों को एक इलेक्ट्रिकल पल्स यानि स्पंद भेजता है, जो एक तरह से दिमाग की क्रियाविधि की नकल करती है। इस तरह से ऐसे लोग जो गंभीर रीढ़ की हड्डी की चोट से गुजर रहे हैं और चलने फिरने में सक्षम नहीं है। वह इसकी मदद से फिर से चल फिर पाएंगे।

इससे पहले इसी तरह के 2018 में हुए अध्ययन से निचले शरीर में लकवाग्रस्त हुए लोगों को इसकी मदद से चलने में मदद की गई थी। उस अध्ययन को भी इसके साथ शामिल किया गया था। हाल ही में जब एक मरीज पर इन इलेक्ट्रिकल पल्स का इस्तेमाल किया गया तो वह अपने दम चल सका था। जानकारी के मुताबिक इस अध्ययन में तीन लोगों को शामिल किया गया था, यह तीनों ही किसी दुर्घटना की वजह से निचले शरीर को हिलाने- डुलाने के काबिल नहीं रहे थे। तीनों ही मरीजों मं 6 सेमी का इम्प्लांट लगाया गया था जिसके बाद वे चलने में सक्षम हो गये हैं।

इस ट्रायल में मदद करने वाले डॉक्टर जोस्लीन ब्लोक, जो लॉसेन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल की न्यूरोसर्जन हैं, उनका कहना है कि पहले लगाए गए इम्प्लांट की तुलना में यह इलेक्ट्रोड लंबे और बड़े स्तर पर थे। नई तकनीक की वजह से हम अब ज्यादा पेशियों तक पहुंच सकते हैं। शुरुआत में तो मरीज कुछ कदम चलने में सक्षम थे, जिसने शोधार्थियों को उत्साहित किया और कुछ वक्त के अभ्यास के बाद ही मरीज अब कई घंटे तक खड़े रह सकते हैं और करीब एक किलोमीटर तक चल सकते हैं। यही नहीं ट्रायल के दौरान पाया गया कि वह सीढ़ी चढ़ने और तैरने में भी सक्षम हो गये थे।हालांकि, यह सुधार इलेक्ट्रिकल उत्तेजना पर निर्भर करती है, मरीज जो कंप्यूटर साथ में लेकर चलता है उसके जरिए भेजी गई स्पंद से यह सक्रिय होती है। अब तक यह इम्प्लांट महज निचली थोरेसिन रीढ की हड्डी में लगी चोट में ही कारगर है।

खंड उदर से गर्दन के निचले हिस्से को चलाने के लिए क्योंकि 6 सेमी स्वस्थ्य रीढ की हड्डी की जरूरत होती है। शोध में पाया गया है कि इसके जरिए रक्तचाप को भी नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन अभी इसके साथ मरीज को एक कंप्यूटर लेकर चलना होता जो एक बड़ी बाधा है, अब वैज्ञानिक इसे छोटा करने की कोशिश में जुटे हैं जिससे मरीज स्मार्टफोन से इसे नियंत्रित कर पाएं। चिकित्सा विज्ञान ने अपने शोध से लकवाग्रस्त लोगों में उम्मीद की नई किरण जगाई है।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च की गुजरात की नई बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27

- पॉलिसी 2022-27 के जरिए साकार होगा 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का विजनः भूपेंद्र पटेल

अहमदाबाद , मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर में तीव्र एवं सर्व समावेशी विकास को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता के साथ नई 'गुजरात बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27' को लॉन्च किया। यह नई पॉलिसी अगले 5 वर्ष अर्थात 2022 से 2027 तक के लिए लागू रहेगी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी में शिक्षा व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी की उपस्थिति में इस नई नीति को जारी किया। नई बायोटेक्नोलॉजी नीति को लॉन्च करने के अवसर पर ब्रिटिश उप उच्चायुक्त पीटर कुक, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, गुजरात सरकार के मुख्य सचिव पंकज कुमार और विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव विजय नेहरा सहित कई वरिष्ठ सचिव, बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों एवं औद्योगिक जगत के कई प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इस अवसर पर भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात ने 'पॉलिसी-ड्रिवन स्टेट' यानी नीति संचालित राज्य और उद्यमिता के मामले में देश में अग्रिम पंक्ति में स्थान बनाया है। वहीं, विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने उद्यमिता को एक नई दिशा दी है। इतना ही नहीं, बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र जब वैश्विक स्तर पर नई उंचाईयों को छू रहा है, ऐसे में बायोटेक आधारित उद्योगों को ज्यादा बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने यह नई बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी को लॉन्च किया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वैश्विक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर स्वास्थ्य एवं कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में बायोटेक्नोलॉजी विज्ञान का उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कोविड-19 जैसी मौजूदा वैश्विक महामारी के विरुद्ध मानव जाति की लड़ाई में बायोटेक्नोलॉजी का योगदान काफी अहम रहा है। कोरोना के कारण घर-घर में प्रसिद्ध हो चुके रैपिड एंटीजन टेस्ट, आरटी-पीसीआर टेस्ट और वैक्सीन आदि बॉयोटेक्नोलॉजी की ही देन है। उन्होंने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी उद्योगों का और भी विकास हो तथा गुजरात को उसका अधिकतम लाभ मिले यही इस नई बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी का उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री ने इस पॉलिसी की विस्तृत जानकारी देते हुए आगे कहा कि बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी बनाने की प्रक्रिया में इस क्षेत्र में अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए शैक्षणिक एवं संशोधन संस्थानों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों जैसे विभिन्न हित धारकों के साथ परामर्श करने के बाद उनके रचनात्मक सुझावों को भी बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27 में शामिल किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27 को नेशनल पॉलिसी एंड स्ट्रैटेजी को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें गैर-सरकारी संस्थानों, वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों जैसे विभिन्न हित धारकों के बीच भागीदारी को प्रोत्साहन दिया जाएगा। बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27 में गुजरात के बायोटेक्नोलॉजी उद्योगों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए टेक्नोलॉजी एक्विजिशन के लिए सहायता, कौशल विकास के लिए सहायता, वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन, क्वालिटी सर्टिफिकेशन और बैंडविड्थ लीजिंग आदि के लिए विभिन्न आर्थिक सहायताओं का समावेश किया गया है। पटेल ने जानकारी दी की इससे पहले की पॉलिसी में ऐसी सहायता शामिल नहीं थी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इस पॉलिसी में बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र की फ्रंटियर टेक्नोलॉजी का समावेश किया गया है तथा बायोटेक्नोलॉजी उत्पाद एवं सेवाओं की सूची का विस्तार किया गया है। यह पॉलिसी राज्य में बायोप्लास्टिक से लेकर जीन स्प्लिसिंग और स्टेम सेल थेरेपी जैसे क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहक साबित होगी। इसके अलावा, प्री-क्लीनिकल टेस्टिंग, निजी क्षेत्र में जिनोम सिक्वेंसिंग, प्लग एंड प्ले फैसिलिटीज, प्राइवेट सेक्टर बायो सेफ्टी लेवल-3 (एॅथ्-3) लैब, वैक्सीन डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन लेबोरेटरीज जैसे स्पेशल प्रोजेक्ट को सहायता एवं समर्थन के माध्यम से यह नई बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी इकोसिस्टम को ज्यादा सुव्यवस्थित बनाएगी।

गुजरात बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27 की महत्वपूर्ण विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

इनोवेटिव र्पेर्ई (पूंजीगत व्यय) और ध्र्ई (परिचालन व्यय) मॉडल के जरिए कुल मिलाकर सहायता की दर और उसकी मात्रा, दोनों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करने के लिए स्ट्रैटेजिक प्रोजेक्ट और मेगा या लार्ज प्रोजेक्ट को स्पेशल पैकेज प्रदान कर विशेष महत्व दिया गया है, जो एंकर यूनिट और वर्तमान में कार्यरत उद्योगों के द्वारा नए निवेश को आकर्षित करेगा और राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।

200 करोड़ रुपए से कम पूंजी निवेश वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (श्एर्ई) को अधिकतम 40 करोड़ रुपए की सीमा में और 200 करोड़ रुपए से अधिक पूंजी निवेश वाले मेगा या लार्ज प्रोजेक्ट को तथा इकोसिस्टम इम्पॉवरमेंट वाले प्रोजेक्ट्स, चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में उभरती प्रौद्योगिकियों एवं रणनीतिक रूप से अहम स्पेशल प्रोजेक्ट्स को अधिकतम 200 करोड़ रुपए की सीमा में कुल पूंजीगत व्यय (र्पेर्ई) की 25 फीसदी सहायता दी जाएगी। यह सहायता कुल पांच वर्षों में 20 त्रैमासिक किस्तों में दी जाएगी।

200 करोड़ रुपए से कम पूंजी निवेश वाले श्एर्ई उद्योगों को प्रति वर्ष अधिकतम 5 करोड़ रुपए की सीमा में और 200 करोड़ रुपए से अधिक पूंजी निवेश वाले मेगा या लार्ज प्रोजेक्ट्स को तथा इकोसिस्टम इम्पॉवरमेंट जैसे स्पेशल प्रोजेक्ट को अधिकतम 25 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष की सीमा में कुल परिचालन व्यय (ध्र्ई) की 15 फीसदी सहायता दी जाएगी। इस सहायता में बिजली शुल्क (पावर टैरिफ), पेटेंट सहायता, मार्केटिंग डेवलपमेंट सहायता, लीज रेन्टल सब्सिडी, बैंडविड्थ लीजिंग और क्वालिटी सर्टिफिकेशन के खर्च को शामिल किया गया है।

इस बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी में कई विशिष्ट प्रावधान भी किए गए हैं जिसके अनुसार:

रोजगार को प्रोत्साहनः एक साल से अधिक समय तक आवेदक कंपनी के साथ जुड़े प्रत्येक स्थानीय पुरुष एवं महिला को क्रमशः 50,000 रुपए एवं 60,000 रुपए की सहायता दी जाएगी।

एम्प्लॉयमेंट प्रोविडेंट फंडः प्रत्येक महिला एवं पुरुष कर्मचारी के लिए आवेदक कंपनी द्वारा भुगतान किए गए एम्प्लॉई प्रोविडेंट फंड (ड्इं) पर क्रमशः 100 एवं 75 फीसदी का रीम्बर्समेंट दिया जाएगा

टर्म लोन पर ब्याज सब्सिडीः 100 करोड़ रुपए तक के टर्म लोन पर भुगतान किए गए ब्याज के एवज में वार्षिक अधिकतम 7 करोड़ रुपए की सीमा में, 7 फीसदी की दर से त्रैमासिक रिम्बर्समेंट दिया जाएगा। इसके अलावा, 100 करोड़ रुपए से अधिक के टर्म लोन पर वार्षिक अधिकतम 20 करोड़ रुपए की सीमा में, भुगतान किए गए ब्याज के एवज में 3 फीसदी की दर से त्रैमासिक रिम्बर्समेंट दिया जाएगा

इलेक्ट्रिसिटी डयूटीः भुगतान की गई इलेक्ट्रिसिटी डयूटी पर 5 वर्ष के लिए सौ फीसदी छूट दी जाएगी।

ऐसे उत्पाद जिनका देश में उत्पादन नहीं होता, उसका निर्माण करने वाले उद्योगों को 'आत्मनिर्भर भारत' विजन को साकार करने के उद्देश्य से स्ट्रैटेजिक महत्व के प्रोजेक्ट के अंतर्गत शामिल कर इकोसिस्टम इम्पॉवरमेंट तथा मेगा एवं लार्ज प्रोजेक्ट को मिलने वाले स्पेशल पैकेज के द्वारा अतिरिक्त सहायता देने का प्रावधान किया गया है।

स्पेशल पैकेज के अंतर्गत स्वीकृत किए गए प्रोजेक्ट्स को राज्य सरकार के अंतर-विभागीय समन्वय और 'सिंगल पॉइंट ऑफ कॉन्टेक्ट' के माध्यम से जमीन आवंटन एवं एप्रोच रोड तथा जलापूर्ति, इलेक्ट्रिसिटी और सीवेज जैसी अन्य मूलभूत बुनियादी ढांचे से संबंधित जरूरतों के लिए व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने संबोधन में यह स्पष्ट किया कि गुजरात इस नई बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी 2022-27 के माध्यम से बायोटेक्नोलॉजिकल-ड्रिवन इकोनॉमी के द्वारा 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

गुजरात में सोमवार से सभी स्कूल-कॉलेजें संपूर्ण रूप से ऑफलाइन शुरू होंगी

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर समेत राज्यभर में कोरोना संक्रमण लगातार कम हो रहा है, जिसे देखते हुए सरकार ने आगामी सोमवार से सभी स्कूल-कॉलेजें पूर्ण रूप से ऑफलाइन शुरू होंगी। गुजरात सरकार की आज हुई कोर समिति में नई एसओपी के साथ ही राज्य की सभी स्कूल-कॉलेजें पूर्ण रूप से ऑफलाइन शुरू करने पर फैसला किया गया। शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। जिसमें लिखा '21 फरवरी 2022, सोमवार से शिक्षा विभाग के अधीन सभी स्कूल-कॉलेजों प्रत्यक्ष शिक्षा शुरू करने का राज्य सरकार ने फैसला किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी स्कूल-कॉलेजों को कोरोना गाइडलाइन का पालन करना होगा। विद्यार्थी, अभिभावक और स्कूल-कॉलेज के संचालकों को ऑफलाइन शिक्षा की तैयारियां करने का पर्याप्त समय मिले, इसके लिए 21 फरवरी 2022 से ऑफलाइन शिक्षा का फैसला किया गया है। गौरतलब है कोरोना महामारी शुरू होने के बाद गुजरात समेत देशभर में स्कूल-कॉलेजें बंद कर दी गई थीं। मार्च 2020 में स्कूल-कॉलेज ऑनलाइन शुरू की गई थीं। जिसके बाद कोरोना के मामले बढ़ने-घटने के दौरान कई बार ऑफलाइन शिक्षा शुरू हुई और बंद भी की गई। इस दौरान ऑनलाइन शिक्षा बदस्तूर जारी रही। कोरोना संक्रमण घटने के बाद ऑफलाइन शिक्षा शुरू की गई। हांलाकि संपूर्ण ऑफलाइन शिक्षा शुरू नहीं की गई थी, परंतु अब आगामी सोमवार से राज्यभर में सभी स्कूल-कॉलेजों में ऑफलाइन शिक्षा शुरू होगी।

गुजरात के 6 महानगरों को रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति, अहमदाबाद और वडोदरा में जारी रहेगा

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में लगातार कम हो रहे कोरोना मामलों को देखते हुए राज्य सरकार ने 6 महानगरों को रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति दे दी है। हांलाकि अहमदाबाद और वडोदरा में रात्रि कर्फ्यू यथावत रहेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कोर कमेटी की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण नियंत्रण की स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में हुई समीक्षा के बाद मौजूदा स्थिति में कोविड उपयुक्त व्यवहार की पालना और सतर्कता के साथ कुछ पाबंदियों में ढील देने तथा कोरोना गाइडलाइन के नियमों में कुछ और छूट देने का निर्णय किया गया। इसके अंतर्गत राज्य के दो महानगरों अहमदाबाद और वडोदरा में रात्रि कर्फ्यू 18 फरवरी से 25 फरवरी तक प्रतिदिन रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक लागू रहेगा। राज्य में सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक समारोहों और वैवाहिक कार्यक्रमों के आयोजन में रियायत दी गई है। जिसके अनुसार खुली जगह में ऐसे समारोहों के आयोजन में कुल क्षमता के 75 फीसदी और बंद स्थान पर आयोजन की स्थिति में कुल क्षमता के 50 फीसदी व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। विवाह समारोह के लिए अब डिजिटल गुजरात पोर्टल पर पंजीयन करवाने की जरूरत नहीं होगी। राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी, शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्षभाई संघवी, स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीमती निमिषाबेन सुथार तथा मुख्य सचिव पंकज कुमार एवं गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजकुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी इस बैठक में शामिल थे। हालात की संपूर्ण समीक्षा के बाद राज्य में कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन के साथ इस तरह की छूट देने का निर्णय किया गया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में कहा कि राज्य के सभी नागरिकों के सहयोग तथा कोरोना संक्रमण नियंत्रण की गाइडलाइन के अनुपालन के परिणामस्वरूप कोरोना मामलों की संख्या लगातार कम हो रही है और हालात पूर्ववत होने लगे हैं। ऐसे में राज्य सरकार ने उद्योग-व्यापार, छोटे व्यापारियों और व्यावसायियों की आर्थिक स्थिति को भी ध्यान में रखते हुए छूट देने का निर्णय किया है।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जयराजसिंह का इस्तीफा, भाजपा में शामिल होने की संभावना

अहमदाबाद, ऐसा लगता है राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का मुश्किल दौर शुरू हो गया है। बीते दिन मेहसाणा जिले के ऐसे नेता और कार्यकर्ताओं ने भाजपा जॉइन कर ली थी, जो कई पीढ़ियों से कांग्रेस से जुड़े थे। अब गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जयराज सिंह परमार ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। करीब 37 वर्षों से कांग्रेस से जुड़े जयराजसिंह ने इस्तीफे से पहले दो पन्नों का पत्र सोशल मीडिया पर वायरल किया है, जिसमें अपना आक्रोश व्यक्त किया है। प्रदेश नेताओं के खिलाफ सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस में सुधार की कोई गुंआईश नहीं है, विपरीत परिस्थितियों के बीच मैंने पार्टी के लिए 37 साल तक काम किया है। हमेशा कांग्रेस के लिए दिल से काम किया है और विपरीत परिस्थितियों में पार्टी की ढाल बनकर भी खड़ा रहा। लेकिन अब थक चुका हूं। कांग्रेस को अपनी जागीर समझ बैठे कुछ लोगों के खिलाफ पार्टी में रहते हुए भी मैंने आवाज उठाई, ताकि संगठन मजबूत हो सके। गुजरात का कोई भी जिला हो या शहर जहां पुराने और परिचित चेहरे ही नजर आते हैं। कांग्रेस एक विशाल समुद्र से कुएं में तब्दील हो गई है। दूसरी पंक्ति में खड़े रहने का पार्टी में कोई अवसर नहीं मिला। परमार ने आगे लिखा कि गुजरात में पिछले 27 वर्ष से कांग्रेस सत्ता के बाहर है, इसके बावजूद आज भी पार्टी ने हारे हुए घोडों पर दांव लगाने की परिपाटी बरकरार रखी है। संगठन में बदलाव होता रहता है। अलग अलग समितियां गठित की जाती हैं, निरीक्षकों की नियुक्ति और चुनाव लड़ने वालों की सूची बनाई जाती है। लेकिन इनमें वर्षों पुरानी सूची की जिरोक्स कॉपी थोप दी जाती है। जिम्मेदारी बदलने के साथ ही चेहरे भी बदलने चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता गिने चुने लोगों को इधर से उधर कर परिवर्तन का नाम दे दिया जाता है। जो नेता अपनी जमीन नहीं बचा सके ऐसे नेताओं को जमींदार बनाकर कांग्रेस को 5-25 लोगों की जागीर बना दी गई है। जयराजसिंह ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा कि ज्यादातर महानगरों में विपक्ष का दर्जा पाने के लाले पड़े हैं, इसके बावजूद पार्टी वास्तविकता स्वीकार करने को तैयार नहीं है। दूसरी पंक्ति के मजबूत होने पर अपनी जागीर लूट जाएगी, ऐसा मानने वाले नेताओं ने कांग्रेस के की-बोर्डसे रिफ्रेशमेंट का बटन ही निकाल दिया है। कुल मिलाकर कांग्रेस नया स्वीकारने, नया विचारने या नए लोगों को अजमाने के लिए तैयार ही नहीं है। ऐसा लगता है कि विचारशील, बौद्धिक लोगों को कांग्रेस की होजरी हजम करने में अक्षम हो चुकी है, जिसकी वजह से अच्छे और सक्षम लोग धीरे धीरे पार्टी को अलविदा कर रहे हैं।

गुजरात में कोरोना के 870 नए मामले, 2221 लोग डिस्चार्ज, 13 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में आज कोरोना के नए 870 नए केस दर्ज हुए, वहीं 2221 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक 12 लाख से अधिक कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं। नतीजतन राज्य में रिकवरी रेट 98.45 प्रतिशत पर पहुंच गया है। दूसरी ओर टीकाकरण अभियान के तहत आज राज्यभर में 1.82 लाख से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। फिलहाल राज्य में कोरोना के कुल 8014 एक्टिव केसों में 53 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं, जबकि 7961 लोग स्टेबल हैं। राज्यभर में अब तक 1200204 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। आज 13 मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10864 पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 252 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 138, वडोदरा में 92 और बनासकांठा में 73 संक्रमित मरीज सामने आए। जबकि 6 महानगर और 31 जिलों में 1 से 28 केस दर्ज हुए। बोटाद और गिर सोमनाथ जिलों में कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। गुरुवार को राज्यभर में 182549 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 20 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 42 को दूसरा टीका दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 2307 लोगों को पहला और 12656 को दूसरा डोज दिया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 27218 को पहली और 57218 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। 15 से 18 वर्ष के 8452 किशोरों को पहला और 62760 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। जबकि 26611 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया।

मार्जिन बढ़ाने की मांग को लेकर डीलरों ने दो घंटे बंद रखे सीएनजी पंप

अहमदाबाद (ईएमएस)। पिछले तीन साल से मार्जिन नहीं बढ़ाए जाने से नाराज डीलरों ने आज दोपहर दो घंटे सीएनजी पंप बंद रखें। राज्यभर में 1200 सीएनजी पंप दोपहर 1 से 3 बजे तक बंद रहें। सीएनजी गेस में डीलरों को मार्जिन बढ़ाने का वादा करने के 30 महीने बीत चुके हैं, इसके बावजूद मार्जिन नहीं बढ़ाने से आज विरोध प्रदर्शन किया गया। तीन कंपनियों के खिलाफ डीलरों ने 2 घंटे सीएनजी पंप बंद रख अपना विरोध जताया और जल्द से जल्द मार्जिन बढ़ाने की मांग की। कंपनी द्वारा हर दो साल बाद मार्जिन बढ़ाने की डीलरों से वादा किया गया था। लेकिन 2017 के बाद से अब तक मार्जिन में कोई वृद्धि नहीं की गई, जिसकी वजह से डीलरों को आज हडताल का रास्ता अख्तियार करना पड़ा। कंपनी ने फरवरी में कमीशन बढ़ाने का आश्वासन दिया था, इसके बावजूद कोई वृद्धि नहीं की गई। फिलहाल सीएनजी पर रु. 1.75 कमीशन मिलता है, जिसे बढ़ाकर रु. 3 करने की मांग डीलरों ने की है। कुछ समय पहले पेट्रोल-डीजल पर कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर डीलरों ने हड़ताल की थी और उस वक्त भी वादा कर दिया गया, परंतु अब तक कोई वृद्धि नहीं की गई। अब सीएनजी में मार्जिन बढ़ाने की मांग को लेकर डीलरों ने आज दो घंटे की हडताल की।

अंबाजी मंदिर में रजिस्ट्रेशन बिना दर्शन किया जा सकेगा

गांव में रहते हो या फिर रजिस्ट्रेशन नहीं करा सकने वाले भक्त दर्शन से वंचित नहीं रह जाए इसके लिए नियम बदला गया

अंबाजी, १७ फरवरी।

अंबाजी मंदिर में कोरोना का आतंक कम होने पर बड़ा निर्णय लिया गया है । अंबाजी मंदिर में अब रजिस्ट्रेशन बिना दर्शन किया जा सकेगा । कई भक्त जो कि गांव में रहते हो या फिर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं करा सकने वाले भक्त दर्शन से वंचित नहीं रह जाए इसके लिए नियम बदला गया है । भक्त अब रजिस्ट्रेशन किए बिना सीधे अंबाजी मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं । यात्राधाम अंबाजी गुजरात का नहीं लेकिन भारतभर का प्रसिद्ध शक्तिपीठ है । जिसे करोड़ों लोगों के आस्था का केंद्र माना जाता है । हालांकि कोरोना महामारी को लेकर अंबाजी मंदिर भी बंद किया गया था और कितने हद तक कोरोना की परिस्थिति शांत होने पर फिर से अंबाजी मंदिर सरकार की एसओपी के अनुसार दर्शनार्थी के लिए खुला रखा गया है। जिसे लेकर कई भक्त अंबाजी दर्शन में पहुंचकर दर्शन का लाभ ले रहे है। हालांकि दर्शन के लिए भक्तों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही माताजी के दर्शन का लाभ मिल सके ऐसी व्यवस्था की गई थी । लेकिन ऐसे में कई भक्त ऐसे थे, जो कि गांव में रहते हो या फिर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं करा सकते थे । ऐसे भक्त दर्शन से वंचित हो जाते थे और उदास चेहेरे पर वापस आते थे । अब इस मामले में बड़ा निर्णय लिया गया है। बनासकांठा जिला कलेक्टर और अंबाजी मंदिर देवस्थान ट्रस्ट के चेयरमैन आनंद पटेल द्वारा महत्व का निर्णय लिया गया है । भक्तों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन से मुक्ति देने की घोषणा की गई है । भक्तों को अब रजिस्ट्रेशन कराये बिना अब सीधे अंबाजी मंदिर में दर्शन के लिए जा सकेंगे । लेकिन ऐसे भक्तों ने वैक्सीन के दो डोज अनिवार्य लिए होने चाहिए और मास्क भी अनिवार्य रूप से पहनना होगा । अब सामाजिक दूरी के साथ दर्शन का लाभ लेना होगा । इतना ही नहीं, अब मंदिर के नृत्य मंडप में बैठकर भक्त माताजी के गुणगान कर सकेंगे ।

उपेक्षित और परेशान लोग कांग्रेस छोड़ रहे हैं, जयराजसिंह का भाजपा में स्वागत : हितु कनोडिया

राजकोट (ईएमएस)। भाजपा विधायक और गुजराती फिल्मों के अभिनेता हितु कनोडिया ने आज कहा कि कांग्रेस में उपेक्षित और परेशान लोग पार्टी छोड़ रहे हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जयराजसिंह के इस्तीफे पर हितु कनोडिया ने कहा कि भाजपा उनका स्वागत करने को तैयार है। बता दें कि गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता जयराजसिंह परमार ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और इससे पहले सोशल मीडिया में दो पन्नों का पत्र पोस्ट किया है, जिसमें अपना दर्द बयां किया है। संभावना है कि जयराजसिंह परमार अगले एक-दो दिन में भाजपा का भगवा धारण कर सकते हैं। इस बीच राजकोट पहुंचे भाजपा विधायक हितु कनोडिया ने कहा कि कांग्रेस से परेशान लोग हमारे पास आएंगे तो हम उनका स्वागत करेंगे। जयराजसिंह परमार के इस्तीफे को लेकर कनोडिया ने कहा कि कांग्रेस से सभी लोग परेशान हो चुके हैं। जयराजसिंह ने सोशल मीडिया पर जो अपनी भड़ास निकाली है, उससे कांग्रेस की स्थिति का पता चल जाता है। जयराजसिंह भाजपा में आना चाहते हैं तो हम उनका स्वागत करने को तैयार हैं। अच्छे लोगों के भाजपा में शामिल होने से पार्टी और ज्यादा मजबूत होगी।

बेटी के साथ दुष्कर्म कर गर्भवती बनाने के मामले में

अदालत ने दोषी पिता को दस साल की कैद की सजा सुनाई

अदालत ने दुष्कर्म पीड़िता को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता के लिए राज्य सरकार को भी निर्देश दिया है

अहमदाबाद, १७ फरवरी।

शराब के नशे में अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर उसे गर्भवती बनाने के मामले में विशेष अदालत ने दोषी पिता को दस साल की कैद की सजा सुनाई है।

अदालत ने दुष्कर्म पीड़िता को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता के लिए राज्य सरकार को भी निर्देश दिया है। प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्राम सेक्सुअल आफेंस (पाक्सो) स्पेशल कोर्ट के जज पीसी चौहान ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उसके ४५ वर्षीय पिता को दोषी मानते हुए १० साल की कैद की सजा सुनाई है । महानगर के ओढव इलाके में शराब के नशे में धुत्त आरोपी ने अप्रैल २०१७ में अपने ही घर पर नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया । लहुलुहान हालत में पीड़िता को अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसने इस तरह की वारदात के बारे में कुछ नहीं बताया था । करीब दो माह बाद जब वह गर्भवती हो गई, तब उसने पुलिस को अपने पिता की इस हरकत की जानकारी दी । उसने बताया कि पिता ने उसके साथ दो बार दुष्कर्म किया था । विशेष अदालत ने दोषी पिता को दस साल की कैद की सजा सुनाई है तथा सरकार को दुष्कर्म पीड़िता को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का आदेश सुनाया है । सुनवाई के दौरान गवाह मुकर गया, लेकिन मेडिकल सबूत तथा डीएनए जांच रिपोर्ट आदि की पुष्टि होने पर अदालत ने पिता को ही इसका दोषी माना । गौरतलब है कि मार्च, २०२० में अहमदाबाद में एक पिता ने अपनी सात साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म कर फरार हो गया था । घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजकर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया था । घटना सरखेज थाना क्षेत्र की है । महिला अपनी सात साल की बेटी के साथ सरखेज पुलिस थाने पहुंची । उसने अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है ।

दो साल फिर लगेगा भवनाथ तलहटी में महाशिवरात्रि पर मेला, प्रशासन ने दी मंजूरी

जूनागढ़ (ईएमएस)। दो साल बाद फिर एक बार जूनागढ़ की भवनाथ तलहटी में जीव और शिव का मिलन होगा। जूनागढ़ जिला प्रशासन ने महाशिवरात्रि पर भवनाथ की तलहटी में होनेवाले मेले को मंजूरी दे दी है। प्रशासन के इस फैसले से महाशिवरात्रि का उत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारियों में श्रद्धालु जुट गए हैं। वैश्विक महामारी कोरोना के चलते बीते दो साल से महाशिवरात्रि पर भवनाथ की तलहटी में सन्नाटा रहा। पिछले कई दिनों से लगातार कोरोना संक्रमण घट रहा है, जिसे देखते हुए प्रशासन की मंजूरी मिलने से बम बम भोले के नाद से जूनागढ़ गूंज उठेगा। जूनागढ़ के कलेक्टर एलबी बांभणिया ने साधु-संतों, विधायक, पदाधिकारियों समेत सामाजिक संस्थाओं की साथ बैठक की और स्थिति की समीक्षा करने के बाद महाशिवरात्रि पर मेला के आयोजन को मंजूरी प्रदान कर दी। बैठक में तय हुआ कि मेला के आयोजन के लिए अलग अलग समितियां गठित की जाएंगी। भवनाथ की तलहटी में महाशिवरात्रि पर कोविड गाइडलाइन के मुताबिक मेला का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है जूनागढ़ में सैंकड़ों वर्षों से महाशिवरात्रि पर परंपरागत मेला का आयोजन होता आ रहा है। जिसमें देशभर में साधु-संत आते हैं। मेला में खास आकर्षण नागा साधु होते हैं। प्रशासन से मंजूरी मिलने से आगामी महाशिवरात्रि के मेला में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

NIESBUD ने महिला उद्यमियों को मान्यता देने के लिए डिजिटल कॉन्क्लेव का आयोजन किया

नईदिल्ली,फरवरी, 2022:भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए भारत सरकार की प्रमुख पहल के तहत, आजादी का अमृत महोत्सव, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (एनआईईएसबीयूडी) ने समग्र सशक्तिकरण पर एक डिजिटल सम्मेलन का आयोजन किया है।उद्यमिता के माध्यम से महिलाए उद्यमिता के माध्यम से डिजिटल कॉन्क्लेव महिला सशक्तिकरणः बदलते परिदृश्यने उन महिला उद्यमियों को मान्यतादी, जिनके अभिनव दृष्टिकोण और विचारों ने भारत में व्यापार और उद्यमिता पारिस्थिति की तंत्र में एक आशाजनक बदलाव लाया है।

इस आयोजन ने नवोदित महिला उद्यमियों को अपनी सफलता की कहानियों को साझाकरने, नीति निर्माताओं से सीखने और उद्यमों के लिए संसाधनों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। कॉन्क्लेव का आयोजन इंडो-जर्मन डेवलपमेंट को ऑपरेशन प्रोजेक्ट- महिला उद्यमियोंका आर्थिक सशक्तिकरण और महिलाओं द्वारा स्टार्टअप्स (प्रोजेक्ट हरएंडनाउ) के सहयोग से किया गया था - और संयुक्त रूप से डयूशगेसेल शाफ्टफर इंटरनेशनेल जुसामेनरबीट (जीआईजेड) जीएमबीएच द्वारा कार्यान्वित किया गया था।

राज्य में कोरोना के केस में लगातार कमी

बच्चों की खोई हुई आवाज प्री-स्कूल में फिर से गूंज उठी

अहमदाबाद, १७ फरवरी।

कोरोना के केस में लगातार कमी होने पर पिछले दो वर्ष सें बंद रहे प्री-प्राइमरी कक्षा, आंगनबाड़ी फिर बच्चों के आवाज से गूंज उठा है।

अभिभावकों के सहमति पत्र और नियमों के पालन के साथ छोटे बच्चों का एज्यूकेशन शुरू हुआ है। जिसे मां-पिता भी स्वीकार कर रहे है। राज्य में कोरोना के केस में लगातार कमी देखने को मिल रही है। केस घटने पर केंद्र सरकार ने राज्यों को अपनी नियंत्रणों में राहत देने की सूचना दी है। लेकिन दो दिन पहले राज्य सरकार द्वारा भी दो वर्ष से बंद आंगनबाड़ी, प्री-स्कूल्स शुरू करने का आदेश दिया था। जिसे लेकर कोविड से संबंधित सभी एसओपी के पालन के साथ यह प्री-प्राइमरी कक्षाओं को शुरू किया गया है।

गाइडलाइन के पालन के साथ बच्चों को स्कूल में बुलाने के लिए अभिभावकों से सहमति पत्र देना पड़ेगा। इसके साथ ही प्री-प्राइमरी स्कूल चलाते संचालकों को ऑनलाइन एज्यूकेशन भी चालू रखा है । प्री-स्कूल के शिक्षक बताते है कि, बच्चा पहली कक्षा में आये इसके पहले कक्को और बारक्षरी या अंग्रेजी में एबीसीडी लिखना और पढ़ने लगता है। लेकिन दो वर्ष से कोरोना की वजह से प्री-स्कूल बंद थी। बच्चों को पढ़ना और लिखना करने बहुत ही कठिन टास्क है। छोटा बच्चा जिस स्कूल में आता हो और छुट्टी हो जाए तो बच्चों को भी स्कूल में आना अच्छा नहीं लगता है। अब तो दो वर्ष से स्कूलें बंद ही थी। यानी कि एज्यूकेशन की दृष्टि से छोटे बच्चे दो वर्ष पीछे रह गये है। हालांकि अब स्कूलें शुरू हो गई है फिर से वहीं बच्चों की आवाज और शोर स्कूल में वापस आई है। दूसरी तरफ दूरदराज क्षेत्र में और गरीब बच्चों के लिए चलती आंगनबाड़ी भी आज से शुरू की गई है। यानी कि अब ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्र के बच्चों के लिए भी शिक्षा शुरू होने पर अभिभावकों ने खुशी व्यक्त की है।

२०वी वार्षिक मोटीफ चेरीटी-२०२२ का वर्च्युअली आयोजन २० फरवरी को

अहमदाबाद,१७ फरवरी, शहर के विशेष केलेन्डर में बहुप्रतिक्षित २०वी वार्षिक मोटीफ चेरीटी-२०२२ इस बार २० फरवरी को वर्च्युअली रूप से आयोजित की जायेगी।

हमेंशा की तरह इस वॉक के आयोजन के दो हेतु हैं। उसमे पहला यह कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना और दुसरा यह कि लोगों की भागीदारी के माध्यम से विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं एनजीओ के लिए वित्त जुटाना। विश्व में कोरोना महामार के मद्देनजर इस बार वॉक को वर्च्युअली आयोजन किया जायेगा। इस वॉक में शामिल होने वाले लोगों को ५ कि.मी. की वॉक अथवा १० कि.मी. की दौड़ को अपने मनचाहे स्थल पर किया जा सकेगा।

इन्डिया टीटीईसी के वॉइस प्रेसीडेन्ट व जनरल मेनेजर कौशल महेता के अनुसार हम बेहद रोमांचित होकर विनम्रता से २०वी वार्षिक टीटीईसी चेरीटी वॉक की घोषणा कर रहे हैं। इसबार इस मुहिम को २० वर्ष पूर्ण हो रहे हैं यह हमारे लिए बड़ा सीमाचिन्ह रूप है। मित्रो व परिवार में एक अदना से विचार से प्रारंभ इस वॉक को दुनिया में अदभुत समर्थन प्राप्त हुआ है। और मजे की बात है कि अहमदाबाद के लोग भी हम पर पिछले १९ वर्षों से अपना आशीर्वाद बरसा रहे हैं। हमारा मानना है कि उदारता के साथ समाज को कुछ वापस लौटाना हमारे केन्द्र में है। आइए हम सब साथ मिल कर इस २०वी वार्षिक मोटीफ टीटीईसी चेरीटी वॉक में शामिल हो कर समाज के वंचित लोगों की सहायता करें।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95